प्रयागराज, रविवार 12 जनवारी 2025 से शनिवार 18 जनवारी 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-02
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

T M

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

# आधुनिक समाचार

## हिन्दी साप्ताहिक

2025 महाकुम्भ

13

वर्ष संघर्ष कि यात्रा

06/01/2025

07/01/2025

08/01/2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

09/01/2025

10/01/2025

11/01/2025

# सीडीओ की अध्यक्षता में ''नेशनल प्रोग्राम फॉर क्लाईमेट चेन्ज एण्ड ह्यूमन हेल्थ'' डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स बैठक सम्पन्न

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार



में ''नेशनल प्रोग्राम फॉर क्लाईमेट चेन्ज एण्ड ह्यूमन हेल्थ'' डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स व जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी चिकित्सालयों में अंतः रोगियों हेतु वार्डस में रूम हीटर, वार्मर, कंबल इत्यादि की पर्याप्त व्यवस्था दुरूस्त रखा जाए। उन्होंने कहा कि दरवाजे, खिड़कियां इत्यादि की मरम्मत की आवश्यकता होने पर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराई जाए ताकि ठंडी हवा के संचरण को रोका जा सके। पूर्व में प्रचलित व्यवस्था के अनुसार तीमारदारों के विश्राम गृह, रैन बसेरों इत्यादि में रूम हीटर, वार्मर इत्यादि की व्यवस्था को भी दुरूस्त रखा जाए, और रैन बसेरों एवं विश्राम स्थलों में सभी प्रवासियों के पास शीतलहर व ठण्ड से बचने हेतु कंबल इत्यादि का उचित प्रबंध व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि समस्त चिकित्सालयों के प्रभारी की एक टीम गठित कर रात्रि में 08:00 एवं 11:00 बजे तथा प्रातः काल 7:00 बजे रोस्टर बनाकर स्वयं तथा टीम के सदस्यों के द्वारा पूरे चिकित्सालय परिसर का दौरा करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए ताकि शीतलहर के प्रभाव के कारण चिकित्सा परिसर में किसी रोगी अथवा तीमारदार को किसी प्रकार की हानि न हो। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय परिसर में स्थापित अथवा संचालित रैन बसेरों/आश्रय स्थलों का भी दौरा इस टीम के द्वारा किया जाए ताकि किसी व्यवस्था में कमी पाए जाने पर आवश्यक सुधारात्मक गतिविधि सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि समस्त चिकित्सालयों में साफ-सफाई की व्यवस्था, रोगियों एवं तीमारदारों हेतु शुद्ध पेयजल की उचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कोल्डवेस से सम्बन्धित रोगों से जनमानस के बचाव हेतु प्रचार-प्रसार सामग्री का चिकित्सलयों के प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शन किया जाये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 नवीन चन्द्रा सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

# सीडीओ ने विराट किसान मेले के द्वितीय दिवस का फीता काटकर किया शुभारम्भ

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण योजनान्तर्गत एग्रो क्लाइमेटिक जोन स्तरीय विराट किसान मेले का आयोजन आई0टी0आई मैदान के द्वितीय दिवस के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय के कर कमलों द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर




शुभारम्भ किया गया। विनोद कुमार उप कृषि निदेशक द्वारा मेले में आये हुए कृषकों का स्वागत करते हुए विभाग में चल रही समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें मुख्य रूप किसानों को अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने हेतु किसानों को जन सुविधा केंद्रों पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु प्रेरित किया और पी0एम कुसुम योजनान्तर्गत सोलर पम्प का लाभ प्राप्त करने हुए किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्टालों का अवलोकन किया गया और अपने संबोधन में किसानों को बताया कि किसान भाई इस मेले में लगी प्रदर्शनी एवं वैज्ञानिकों द्वारा दिये गये अनुभवो को अपने खेती में उपयोग कर अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा 05 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा दो किसान को कस्टम हायरिंग सेन्टर एवं एक एफ0पी0ओ0 को फार्म मशीनरी बैंक की चाबी सौंपी गई। कृषि वैज्ञानिक डा0 मनोज कुमार सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र कौशाम्बी द्वारा किसानों को भूमि में जीवांश कार्बन की कमी को दूर करने हेतु किसानों से आह्वान किया गया वे गोबर की खाद एवं हरी का खाद का प्रयोग करके उक्त कमी को दूर कर अच्छी पैदावार प्राप्त की जा सकती है पूजा मौर्या शोध छात्रा द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन की खेत के बाहर एवं खेत के अन्दर (इन-सीटू, इक्स सीटू) के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए किसानों से अपील की आप फसल अवशेष अपने खेतों में न जलाए उसको बेस्ट डी0 कम्पोजर एवं पूसा डी0 कंपोजर कैप्सूल का प्रयोग करके सभी फसल अवशेषों को सड़ाकर खाद के रूप में खेतों में प्रयोग करके भूमि की उर्वरा शक्ति को बढाये। मदन चंद्र प्रगतिशील कृषक जनपद उन्नाव द्वारा कृषकों को प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी, जिसमें मुख्य रूप से जीवामृत, बीजामृत, घन जीवामृत दशपर्णी अर्क बनाने की विधि एवं इनका फसलों में कैसे प्रयोग करके प्राकृतिक खेती में कैसे लाभ प्राप्त कर सकते है। डा0 एस0बी0 सिंह वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर द्वारा उद्यानिक फसलों जैसे आम में फूले के बचाव हेतु नैपथेलिक एस्टिक एसिड(एन0ए0ए0) के विस्तृत प्रयोग के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी देते हुए स्ट्राबेरी की खेती हेतु प्रोत्साहित किया। हर व्याख्यान के बाद के प्रश्न पूछा जाता है और किसानों द्वारा सही उत्तर देने पर उन्हें इफ्को की तरफ से पुरस्कार दिया जा रहा है।डा0 अनिल शुक्ला एनिमल ब्रीडिंग सेंटर सलोन द्वारा बताया गया कि कृषकों को सार्टसीमन का प्रयोग करना चाहिए जिससे 90 प्रतिशत बछिया होने की सम्भावना रहती है, जिससे छुट्टा जानवरों की समस्या दूर हो सकती है जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय द्वारा अन्त में पी0एम0 प्रमाण योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए नैनों यूरिया तथा नैनो डी0ए0पी0 के उपयोग को बढ़ावा देने तथा उर्वरको के संतुलित उपयोग एवं मुख्य उर्वरकों के वैकल्पिक साधनों को बढावा देने, मृदा परीक्षण कराने तथा इसके आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करने हेतु आह्वान किया गया। अन्त में अधिकारियों एवं किसानों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रथम दिवस के मेले के समापन की घोषणा की गई।

# तीन दिवसीय विराट किसान मेला का शुभारम्भ

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण योजनान्तर्गत एग्रो क्लाइमेटिक जोन स्तरीय विराट किसान मेले का आयोजन आई0टी0आई0 मैदान दूरभाष नगर रायबरेली में मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार के कर कमलों द्वारा



फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया गया। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार द्वारा मेले में आये हुए कृषकों का स्वागत करते हुए विभाग में चल रही समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें मुख्य रूप किसानों को अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने हेतु किसानों को जन सुविधा केंद्रों पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु प्रेरित किया और पी0एम कुसुम योजनान्तर्गत सोलर पम्प, यंत्रीकरण योजनान्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग, एवं अन्य यंत्रों का लाभ प्राप्त करने हुए किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई। मा0 विधायक द्वारा स्टॉलों का अवलोकन किया गया और अपने संबोधन में किसानों से आह्वान किया गया कि मेले में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकी जानकारी को अपने खेतों में अपनाकर अधिक उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। मा0 विधायक द्वारा 10 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा एक किसान को कस्टम हायरिंग सेन्टर की चाभी तथा दो महिला समूहों को रू0 10 हजार के चेक सौंपे गये। कृषि वैज्ञानिक डा0 आर0के0 कनौजिया द्वारा किसानों को गेहूं की बुवाई से लेकर फसल कटाई तक की जानकारी दी गई और गेहूँ में लगने वाले खरपतवार के नियंत्रण से सम्बन्धित विस्तार से जानकारी दी गई। डा0 दीपक मिश्रा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर द्वारा दलहनी व तिलहनी फसलों में सल्फर के प्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी और जनपद में जिंक की कमी मिट्टी में मिल रही है, जिससे फसलों में पत्तियां पीली पड़ने लगती है, उसके निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बागवानी फसलों के में डा0 एस0 बी0 सिंह द्वारा अम्बिका एवं अरूणिका आम की किस्मों को लगाने के बारे में जानकारी दी गई। आम की किस्मे प्राप्त करने के लिए पौधे का चुनाव करने में सावधानियां बरती जाये। मई के महीने में गड्ढा तैयार कर यूरिया डालकर पौधे को लगाया जा सकता है। स्ट्रॉबेरी के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय द्वारा अन्त में पी0एम0 प्रमाण योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए नैनों यूरिया तथा नैनो डी0ए0पी0 के उपयोग को बढावा देने तथा उर्वरको के संतुलित उपयोग एवं मुख्य उर्वरकों के वैकल्पिक साधनों को बढावा देने, मृदा परीक्षण कराने तथा इसके आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करने हेतु आह्वान किया गया। अन्त में अधिकारियों एवं किसानों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रथम दिवस के मेले के समापन की घोषणा की गई।

## नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सांसद रायबरेली द्वारा भेजे गए कंबलों का वितरण



**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** शर्मा सांसद अमेठी के प्रेरणा से सिविल कोर्ट के 50 मुंशीयों को कंबल वितरण जिला विधि विभाग के अध्यक्ष अंबरीश बाजपेई एडवोकेट एवं उनकी टीम द्वारा किया गया जिसमें मुख्य रूप से सेंट्रल बार अध्यक्ष कमलेश् पांडे शशिकांत पांडे सुंदर निर्मल पूर्णमासी चौधरी दुर्गेश द्विवेदी घनश्याम शुक्ला मयंक त्रिपाठी विवेक सिंह आदि बहुत से अधिकता उपस्थित रहे और कंबल पाने वाले मुंशीयों में दिलीप श्रीवास्तव अशोक श्रीवास्तव धर्मेंद्र यादव अशोक श्रीवास्तव धर्मेंद्र यादव तेज प्रताप यादव आदि पचास स्ल्हेप्ब्द्ह को कंबल वितरण किया गया।

## इजराइल, जर्मनी एवं जापान देश के लिए नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि भारत सरकार एवं एन0एस0डी0सी0 के संयुक्त प्रयास से इजराइल, जर्मनी एवं जापान देश के लिए नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इस हेतु अर्हता प्राप्त इच्छुक अभ्यर्थियों को सेवायोजन विभाग के एकीकृत पोर्टल पर जॉबसीकर के रूप में जाकर इजराइल, जर्मनी एवं जापान हेतु पंजीकरण कराना है। अन्य संबंधित सभी जानकारियां एवं नियम शर्तें उक्त पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इस के संबंध में जनपद के नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों के लिए रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा प्रारम्भ हो गयी है। इस संबंध में अधिक जानकारी किसी भी कार्यदिवस में जनपद के जिला सेवायोजन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

# मा0 राज्य मंत्री बलदेव सिंह ''औलख'' ने विराट किसान मेला का किया समापन

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण योजनान्तर्गत एग्रो क्लाइमेटिक जोन स्तरीय विराट किसान मेले का आयोजन आई0टी0आई मैदान के तृतीय एवं समापन दिवस के अवसर पर मा0



राज्य मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उ0प्र0 बलदेव सिंह ''औलख'' के कर कमलों द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया गया। मा0 राज्य मंत्री द्वारा स्टालों का अवलोकन किया गया और अपने संबोधन में किसानों प्राकृतिक खेती, पी0एम0 कुसुम योजना के अन्तर्गत सोलर पम्प स्थापना हेतु किसानों को बताया कि इस बार 30 हजार सोलर पंपों को स्थापित करने हेतु लक्ष्य समस्त जनपदों को आवंटित किया गया है उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा विभाग में चलाई जा रही सभी योजनाओं का किसान भाई लाभ उठा सकते हैं। उन्होने जनपद के राजरानी फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लि0 को फार्म मशीनरी बैंक एवं रामसखी को कस्टम हायरिंग सेन्टर लागत 30 लाख अनुदानित अंश रुपये 24 लाख रुपये का लाभ प्राप्त करने हेतु ट्रैक्टर की चॉबी और दो महिला स्वयं सहायता समूहों को 10 हजार रुपये के रूप चेक सौंपा गया साथ ही पांच किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं 15 अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र अपने कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार द्वारा मेले में आये हुए कृषकों का स्वागत करते हुए विभाग में चल रही समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें मुख्य रूप किसानों को अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने हेतु किसानों को जन सुविधा केंद्रों पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु प्रेरित किया और पी0एम कुसुम योजनान्तर्गत सोलर पम्प का लाभ प्राप्त करने हुए किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई। शेषपाल सिंह प्रगतिशील कृषक विकासखंड शिवगढ रायबरेली द्वारा कृषकों को प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी, जिसमें मुख्य रूप से जीवामृत, बीजामृत, घन जीवामृत दशपर्णी अर्क बनाने की विधि एवं इनका फसलों में कैसे प्रयोग करके प्राकृतिक खेती में कैसे लाभ प्राप्त कर सकते है। डा0 एस0बी0 सिंह वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर द्वारा उद्यानिकी फसलों जैसे गुलाब की खेती एवं उन्नतशील प्रजातियों पर विस्तृत परिचर्चा करते हुए किसानों को गुलाब की खेती करने हेतु प्रोत्साहित किया और यह भी बताया कि आप गुलाब की खेती करके अधिक धनोपार्जन कर सकते है। क्षेत्रीय प्रबंधक इफ्को द्वारा किसानों को नैनो यूरिया एवं नैनो डी0ए0पी0 का प्रयोग फसलों अधिक से अधिक ड्रोन के माध्यम से छिड़काव करके किसान भाई कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है। डी0 दीपक मिश्रा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर द्वारा दलहनी व तिलहनी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन में वृद्धि करने की तकनीकी के बारे में किसानों को सम्बोधित किया। डा0 आर0के0 कनौजिया वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र दरिया पुर द्वारा रबी फसलों में शस्य क्रिया, न्यूट्रियन्स एवं खरपतवार नियंत्रण के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई। डा. रंजन द्विवेदी विषय वस्तु विशेषज्ञ द्वारा मेले में आये हुए मुख्य अतिथि एवं सभी किसानों, वैज्ञानिकों, स्टॉल के प्रतिनिधियों, मीडिया का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार तृतीय एवं अंतिम दिवस के मेले का समापन करने की घोषणा की गई।

# अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों के लम्बित छात्रवृत्ति आवेदनों को शीघ्र करें अग्रसारित

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोडकर) पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह से कहा है कि शासन द्वारा विद्यालयों की प्रोफाइल अपडेट कराने एवं लॉगिंन पर लंबित छात्रवृत्ति के आवेदनों को शीघ्र अग्रसारित कराए जाने की अपेक्षा की गई है। परंतु अभी तक जनपद की कोई संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा में फीस का अंकन करते हुए एफिलिएटिंग एजेंसी/विश्वविद्यालय से फीस लॉक नहीं कराया गया है। फीस लॉक करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी 2025 निर्धारित है। इस तिथि के उपरांत अवशेष किसी भी संस्था की फीस लॉक नहीं हो पायेगी और संबंधित संस्था के छात्र छात्र/छात्रा छात्रवृत्ति प्राप्त करने से वंचित हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त संस्थाओं की लॉगिन पर काफी संख्या में छात्रवृत्ति आवेदन अग्रसारण हेतु लंबित है।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने कहा कि जनपद के अवशेष समस्त शिक्षण संस्थाओं की फीस अपडेट करते हुए एफिलिएटिंग एजेन्सी/विश्वविद्यालय स्तर से फीस ऑनलाइन सत्यापित/लॉक करने एवं संस्थाओं की लॉगिन पर लंबित अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदनों को शीघ्र अग्रसारण हेतु संबंधित संस्थाओं को निर्देशित करें।

## एसडीएम सदर ने रैन बसेरा व अलाव की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन में ज्वाइन मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा द्वारा तहसीलदार सदर प्रज्ञा द्विवेदी के साथ शीत लहर व ठंड को देखते हुए मध्य रात्रि में अस्पताल चौराहा पर रैन बसेरा एवं अलाव की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया इसके पश्चात पैदल भ्रमण कर ओवर ब्रिज सिविल लाइन व ओवर ब्रिज इंदिरा नगर का निरीक्षण कर देखा गया कि कोई भी व्यक्ति ठंड में खुले में तो नहीं सो रहा है लेकिन निरीक्षण के दौरान कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला।उप जिलाधिकारी द्वारा तहसील के समस्त आर0आई0/लेखपाल को निर्देशित किया गया कि शीत लहर के दृष्टिगत अपने-अपने क्षेत्र में रात्रि में भ्रमणशील रहकर सभी निर्धारित बिंदु पर अलाव जलवाने की व्यवस्था के साथ यह भी सुनिश्चित कराये कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोये, यदि कहीं कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है तो उसे पास के रैन बसेरे में शिफ्ट कराए।



# मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान अन्तर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन विकास भवन, रायबरेली के महात्मा



गांधी सभागार में किया गया। इस कार्यशाला में समाधान, लखनऊ से आए हुए विषय विशेषज्ञ रवि गुप्ता एवं प्रखर मिश्रा द्वारा योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी एवं योजना की पात्रता के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि आवेदक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो। (संबन्धित जनपद का निवास प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है।), आवेदक की आयु 21 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आवेदक द्वारा केंद्र अथवा राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित किसी भी योजना में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो अथवा किसी शैक्षणिक संस्थान से कौशल संबंधी प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा आदि प्राप्त किया हो। आवेदक द्वारा पूर्व में किसी भी ऋण योजना में लाभ प्राप्त न किया गया हो। जिन आवेदकों द्वारा पी.एम. स्वनिधी योजना के ऋण की समस्त किस्त चुका दी गई हैं वह योजनान्तर्गत पात्र होंगे। रवि गुप्ता द्वारा अवगत कराया गया की योजनान्तर्गत विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र हेतु रुपये 5.00 लाख तक के ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है। योजनान्तर्गत परियोजना लागत का 10 प्रतिशत अतिरिक्त मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दी जाएगी, योजनान्तर्गत डिजिटल ट्रांजैक्शन के सापेक्ष 01 रूपये प्रति ट्रांजैक्शन अधिकतम रूपये 2,000 की अतिरिक्त सब्सिडी दिये जाने एवं सीजीटीएमएसई कवरेज हेतु आवश्यक धनराशि राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने यह भी अवगत कराया गया कि सामान्य पुरुष हेतु 15 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग हेतु 12.50 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति/अनु0 जनजाति/दिव्यान्ग हेतु 10 प्रतिशत स्वयं का अंशदान जमा किया जाएगा। उन्होंने पीपीटी एवं वीडियो के माध्यम से सभी लाभार्थियों, बैंक के जिला समन्वयकों एवं विभागीय अधिकारियों को इस योजना के संबंध में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। कार्यशाला में अग्रणी जिला प्रबंधक रुपेश दुबे द्वारा सभी जिला समन्वयकों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त आवेदनों को शीघ्र स्वीकृत करते हुए ऋण वितरण करना सुनिश्चित करें ताकि जनपद को आवंटित 1000 के लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण किया जा सके। मंच संचालन का कार्य एस.एस. पाण्डेय द्वारा पूर्ण कुशलता के साथ किया गया। कार्यशाला के अंत में उपायुक्त उद्योग द्वारा समस्त उपस्थित अधिकारियों/लाभार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला में उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र रायबरेली परमहंस मौर्य, अग्रणी जिला प्रबन्धक रुपेश दुबे, निदेशक आरसेटी इंडियन बैंक जे0आर0 मीणा, आरसेटी बैंक ऑफ बड़ौदा से उत्तम कुमार श्रीवास्तव, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली से राजकुमार मौर्य, कौशल विकास मिशन के राजीव कुमार एवं विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं बड़ी संख्या में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी उपस्थित रहें।

## डीएम ने जनपद के बस अड्डे को पी0पी0पी0 मॉडल पर विकसित किए जाने हेतु किया निरीक्षण

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने सदर विधायक अदिति सिंह



के साथ जनपद के बस अड्डे को पी0पी0पी0 मॉडल पर विकसित किए जाने हेतु बस अड्डे का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, ए0आर0एम0 दिनेश चंद श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए की आवश्यकता अनुसार बसों की पार्किंग तथा ठहराव हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए, लगभग 50 बसों की पार्किंग की व्यवस्था बनाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बस अड्डे में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था न होने से बसें सड़कों पर खड़ी होती है और जाम की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे यातायात प्रभावित होता है। बस अड्डे में पर्याप्त बसों की पार्किंग की व्यवस्था होने पर बसे अपने निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ी होगी, जिससे जाम की समस्या से निजात मिलेगी, यातायात सुगम बना रहेगा। मा0 विधायक अदिति सिंह ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को शीघ्र कार्य पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए, जिससे की जन सामान्य को जल्द से जल्द उसका लाभ मिल सके।

## डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली गई।इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## ऑल इण्डिया सैनिक स्कूल एंट्रेज एग्जाम 2025 के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** ऑल इण्डिया सैनिक स्कूल एंट्रेस एग्जाम (ंघ्एर्-2025) के लिये आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 13 जनवरी 2025 निर्धारित है। ऐसे जो छात्र या अभिभावक अपने बच्चों को सैनिक स्कूल में कक्षा-06 और कक्षा-09 में प्रवेश दिलवाना चाहते है वे अंतिम दिनों में वेबसाइट पर होने वाली परेशानियों से बचने के लिए तुरन्त ही ऑनलाइन आवेदन कर लें। एप्लीकेशन फार्म ऑनलाइन माध्यम से एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर भरा जा सकता है। सैनिक स्कूल कक्षा 6 में प्रवेश के लिए छात्र का 5वीं कक्षा उत्तीर्ण होने के साथ ही आयु 10 से 12 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा कक्षा 9 में प्रवेश के लिए छात्र का 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है और साथ ही उम्र 13 से 15 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आयु की गणना 31 मार्च 2025 को ध्यान में रखकर की जायेगी।

# वैश्य समाज को एकजुट करने की जरूरत पंकज मुरारका

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**रायबरेली ।** शहर के पीएसी रोड पर एक नव वर्ष 2025 शुभकामनाओ के क्रम में एक कार्यक्रम आज अखिल भारतीत अग्रहरि व वैश्य समाज द्वारा गोरा बजार के पीएसी रोड पर वैश्य समाज के सभी लोग एकत्रित होकर शुभकामनाऐ प्रेषित किया, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र वैश्य जिला महामंत्री शिव सागर अग्रहरि, टीएन गुप्ता सयुंक्त वैश्य समाज के सैकड़ों लोगों नये वर्ष पर बैठ कर समाज के विषय पर गोष्ठी पर चर्चा में शिव सागर अग्रहरि ने कहा कि वैश्य समाज अलग अलग बिखरा है।

# सीएम योगी ने सभी अखाड़ों के संतों के साथ किया भोजन, भेंट किए उपहार

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)**

**प्रयागराज।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे पर समस्त अखाड़ों, खाकचौक, दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा के प्रतिनिधियों के साथ किया रात्रि भोज रात्रि भोज के बाद सभी पूज्य संतों का सीएम योगी ने शॉल ओढ़ाकर किया सम्मान, भोज में शामिल होने के लिए जताया आभार सभी साधु संतों ने सीएम योगी को दिया धन्यवाद, की महाकुम्भ 2025 के सकुशल और भव्य संपन्न होने की कामना महाकुम्भ नगर, 09 जनवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के पहले दिन साधु संतों के साथ रात्रि भोज किया और उन्हें उपहार भी भेंट किया। इस रात्रि भोज में सभी अखाड़ों, खाकचौक, दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा के पूज्य संत उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की ओर से आयोजित इस भोजन के बाद सभी संतों को उपहार भी भेंट किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी संतों का भोज में सम्मिलित होने के लिए आभार भी जताया। इस अवसर पर सभी साधु संतों ने सीएम योगी को धन्यवाद दिया और महाकुम्भ के सकुशल और भव्य संपन्न होने की कामना की।प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित रेडियो ट्रेनिंग हॉल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा आयोजित इस रात्रि भोज कार्यक्रम में सभी अखाड़ों, खाकचौक, दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा समेत प्रयागवाल के कुल 20 साधु संत सम्मिलित हुए। इनमें जूना, निरंजनी, उदासीन बड़ा, निर्मल,तीनों वैष्णव अखाड़े (निर्मोही, दिगंबर, निर्वाणी), अग्नि, आवाहन, अटल, आनंद, निरंजनी अखाड़े के पूज्य संत शामिल रहे। खाकचौक से महामंडलेश्वर संतोष दास (सतुआ बाबा) भी उपस्थित रहे। सीएम योगी के आग्रह पर आए इन साधु संतों को सात्विक भोजन परोसा गया। भोजन में सम्मिलित संतों के अनुसार, निर्धारित जिसमें मूंग और अरहर की दाल, चने का साग, पनीर की सब्जी, आलू-मेथी सोया, मलाई कोफ्ता, मटर निमोना एवं मूंग का हलवा था। भोजन के बाद मुख्यमंत्री ने सभी साधु संतों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनका आभार जताया।

# ध्यान की रेती सजी, पौष पूर्णिमा से पहले उमड़े कल्पवासी; महाकुंभ हुआ गुलजार

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)**

**प्रयागराज।** पौष पूर्णिमा से पहले शुक्रवार को कल्पवासी ट्रैक्टर-ट्रालियों पर महीने भर की गृहस्थी लेकर शिविरों में पहुंचने लगे हैं। दो दिन बाद पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ मास पर्यंत जप, तप, ध्यान का मेला आरंभ हो जाएगा। पौष पूर्णिमा के प्रथम स्नान पर्व की डुबकी के साथ 13 जनवरी को कल्पवास आरंभ होगा, लेकिन पुण्य की कमाई के लिए संगम की रेती पर गृहस्थी जमाने के लिए देश के कोने-कोने से कल्पवासी शुक्रवार को ही उमड़ पड़े। पांटून पुलों से लेकर चकर्ड प्लेट के मार्गों तक तिल रखने की जगह नहीं बची। इसी के साथ विश्व के सबसे बड़े आयोजन के रूप में महाकुंभ गुलजार हो गया। दो दिन बाद पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ मास पर्यंत जप, तप, ध्यान का मेला आरंभ हो जाएगा। इसके लिए देश- दुनिया के हर कोने से कल्पवासी अपने पोते-पोतियों, बेटे-बहुओं के साथ निकल पड़े हैं।शुक्रवार को अमेठी के शिवराम त्रिपाठी अपनी पत्नी सुनयना देवी के साथ पूरे साजो- सामान के साथ पहुंचे, तो गोरखपुर से सेवानिवृत सीएमओ राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी अपनी गृहस्थी के साथ देर रात सेक्टर 18 स्थित अपने कल्पवासी शिविर में लंबी मशक्कत के बाद पहुंचे। इसी तरह जौनपुर, बलिया, देवरिया, आजमगढ़, वाराणसी, रीवा और बिलासपुर से बड़ी संख्या में कल्पवासी बांस, लकड़ी, पुआल के बीच गृहस्थी लेकर देर रात तक शिविरों में पहुंचते रहे। मेला प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है और कल्पवासी अपनी गृहस्थी सजाने में जुट गए हैं। गंगा-यमुना के किनारे के स्नान घाटों से लेकर संगम की सर्कुलेटिंग एरिया में पुआल बिछाने का काम तेज कर दिया गया है, ताकि रेत पर कीचड़ न फैलने पाए और स्नानार्थियों को सर्दी से बचाया जा सके। इसी के साथ सभी 25 सेक्टरों में पांटून पुलों के प्रवेश और वापसी मार्गों के अलावा तिराहों, चौराहों पर पुलिस व पैरामिलिट्री के जवानों को तैनात कर दिया गया है। इस ठंड में श्रद्धालुओं की सेहत का ख्याल रखने के लिए बड़ी संख्या में चिकित्सक और पैरा मेडिकल स्टाफ की भी तैनाती कर दी गई है।

## महाकुंभ में मुसलमानों का स्वागत पर गलत मानसिकता से आए तो होगी डेंटिंग-पेंटिंग

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)**

**प्रयागराज।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमाफिया को भी चेताया और स्पष्ट कहा कि देर-सबेर उन्हें जमीन छोड़नी ही होगी। महाकुंभ नगर में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ सनातन परंपरा और आस्था का महापर्व है। वर्षों पहले दबाव में आकर बहुत से लोगों ने उपासना पद्धति बदल ली लेकिन उनकी आज भी सनातन परंपरा में आस्था है। ऐसे लोगों का महाकुंभ में स्वागत है और वे संगम में आस्था की डुबकी लगाएं। हालांकि, दूसरी मानसिकता से कोई आया तो उसकी डेंटिंग-पेंटिंग भी होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें, यह इस्लाम के भी खिलाफ है। पूर्व सांसद व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा जोशी की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर मुख्यमंत्री ने भूमाफिया को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देर-सबेर उन्हें जमीन छोड़नी ही पड़ेगी।

कि मानवता के सबसे बड़े समागम महाकुंभ में मुसलमानों का स्वागत है, लेकिन गलत मानसिकता से आने वालों की डेंटिंग-पेंटिंग भी होगी। अलग-अलग कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री ने भूमाफिया को भी चेताया और स्पष्ट कहा कि देर-सबेर उन्हें जमीन छोड़नी ही होगी। महाकुंभ नगर में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ सनातन परंपरा और आस्था का महापर्व है। वर्षों पहले दबाव में आकर बहुत से लोगों ने उपासना पद्धति बदल ली लेकिन उनकी आज भी सनातन परंपरा में आस्था है। ऐसे लोगों का महाकुंभ में स्वागत है और वे संगम में आस्था की डुबकी लगाएं। हालांकि, दूसरी मानसिकता से कोई आया तो उसकी डेंटिंग-पेंटिंग भी होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें, यह इस्लाम के भी खिलाफ है। पूर्व सांसद व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा जोशी की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर मुख्यमंत्री ने भूमाफिया को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देर-सबेर उन्हें जमीन छोड़नी ही पड़ेगी।

## सीएम योगी बोले - महाकुंभ सनातन के गौरव का महाकुंभ है, जातियों में बांटने वालों को लेनी चाहिए सीख

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)**

**प्रयागराज।** योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में आकाशवाणी के एफएम रेडियो चैनल का शुभारंभ किया। इसके बाद

स्वर्गीय कमला बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके मुख्यमंत्री स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय पहुंचे और मां की रसोई का उद्घाटन किया। योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में आकाशवाणी के एफएम रेडियो कुंभवाणी चैनल का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि महाकुंभ सनातन के गौरव का महाकुंभ है...जो लोग लोगों को जातियों में बांटना चाहते हैं, उन्हें देखना चाहिए कि कुंभ से जाति का भेद मिट जाता है," पंथ और लिंग... दुनिया भर से लोग यहां आ रहे हैं... प्रसार भारती ने न केवल महाकुंभ कार्यक्रम को पूरे दिन प्रसारित करने की तैयारी की है, बल्कि दूरदराज के इलाकों में भी धार्मिक उद्धरण दिए जाएंगे... इससे लोगों की आस्था बढ़ेगी।10 जनवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को सर्किट हाउस में महाकुंभ के अवसर पर प्रसार भारती के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एफएम चैनल के सफल होने की आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा विश्वास है कि यह एफएम चैनल न सिर्फ लोकप्रियता की नई ऊंचाई हासिल करेगा, बल्कि महाकुंभ को दूरदराज के उन गांवों तक भी ले जाएगा जहां लोग चाहकर भी यहां नहीं पहुंच पाते हैं। उन लोगों तक इन सुविधाओं के माध्यम से हम महाकुंभ की हर जानकारी पहुंचाएंगे।

# हर हर महादेव और जय श्री राम के उद्घोष के साथ महाकुम्भ में गूंजी गुरु नानक की अमृत वाणी

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)**

**प्रयागराज।** संगत साहब की संत परम्परा को मानने वाले इस श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन कुम्भ प्रवेश यात्रा को देखने के शहर से लेकर कुम्भ क्षेत्र तक श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी। संगम की पावन रेती पर धर्म, अध्यात्म और भक्ति की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है। महाकुम्भ के आकर्षण अखाड़ों की मौजूदगी से पूरा कुम्भ क्षेत्र दीप्तिमान हो रहा है। सन्यासी अखाड़ों और वैष्णव अखाड़ों के बाद अब अखाड़ा सेक्टर में उदासीन संप्रदाय के अखाड़ों की मौजूदगी भी दर्ज हो गई है। इसी क्रम में उदासीन संप्रदाय के श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन ने भी पूरी भव्यता के साथ अपनी छावनी प्रवेश यात्रा निकाली। महाकुम्भ नगर में भक्ति और अध्यात्म की दुनिया बस गई है जिसमें सनातन धर्म के सभी सम्प्रदाय अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। शिव उपासक शैव अखाड़ो के हर-हर महादेव और वैष्णव

अखाड़ो जय श्री राम के उद्घोष के बाद अब कुम्भ क्षेत्र में उदासीन अखाड़ों के जय श्री चन्द्र का उद्घोष भी गूंजने लगा है। महा कुम्भ क्षेत्र में श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन की छावनी प्रवेश यात्रा में इसकी भव्यता देखने को मिली। संगत साहब की संत परम्परा को मानने वाले इस श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन कुम्भ प्रवेश यात्रा को देखने के शहर से लेकर कुम्भ क्षेत्र तक श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी। आगे-आगे अखाड़े के पूज्य इष्ट श्री चन्द्रदेव भगवान की पालकी और पीछे पीछे अखाड़े के महंतो और साधुओं का जुलूस किसी दिव्य अनुभव से कम नहीं था। छावनी प्रवेश यात्रा में भ्रमणशील रमता पंच के साथ साथ गुरु नानक की गुरबाणी गूंज रही थी। अखाड़े के सचिव महंत जगतार मुनि का कहना है कि छावनी प्रवेश यात्रा में सात हजार से अधिक साधु संतों महंत श्री महंत और महा मंडलेश्वरों ने हिस्सा लिया। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन की छावनी प्रवेश यात्रा की मुट्ठीगंज की मुंशी राम बगिया से हुई। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए यह महाकुम्भ क्षेत्र पहुंची। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने संतों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। अखाड़े के सचिव महंत जगतार मुनि का कहना है कि महाकुम्भ मेला क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद अखाड़े की तरफ से विविध धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन होंगे। जाति पात और ऊंच नीच को स्वीकार न करने वाले इस अखाड़े में प्रतिदिन हजारों लोगों के लिए लंगर चलेगा, चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे और संतों के प्रवचन होंगे।

# आतंकी धमकी के बाद मेला क्षेत्र से उठाए गए 550 संदिग्ध, आतंकी पन्नू की धमकी के बाद पुलिस सतर्क

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)**

**प्रयागराज।** पिछले 15 दिन के भीतर पुलिस ने 550 से अधिक संदिग्धों को उठाकर पूछताछ की है। मेला क्षेत्र स्थित महावीर थाना प्रभारी मिथिलेश उपाध्याय ने बताया कि आतंकी धमकी मिलने के बाद से ही मेला क्षेत्र और हनुमान मंदिर की सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गई। महाकुंभ मेले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए खुफिया एजेंसियां सतर्क हैं। आतंकी पन्नू की धमकी, संदिग्ध विदेशी और इंस्टाग्राम से धमकी मिलने के बाद एलआईयू, आईबी समेत अन्य खुफिया एजेंसियां मेला क्षेत्र में आने वाले हर किसी पर निगरानी रख रही हैं। पिछले 15 दिन के भीतर पुलिस ने 550 से अधिक संदिग्धों को उठाकर पूछताछ की है। मेला क्षेत्र स्थित महावीर थाना प्रभारी मिथिलेश उपाध्याय ने बताया कि आतंकी धमकी मिलने के बाद से ही मेला क्षेत्र और हनुमान मंदिर की सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गई। मंदिर के इर्द-गिर्द सिविल वर्दी में भी पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस की टीम मेला क्षेत्र में दिखने वाले संदिग्धों से लगातार पूछताछ कर रही है। इनमें से कई ऐसे लोगों को पकड़ा गया, जो पिछले कई दिनों से मेला क्षेत्र में अपना ठिकाना बनाए हुए थे।पकड़ने के बाद इनके मूल निवास का भी सत्यापन करवाया गया। हालांकि, अबतक उठाए गए लगभग 550 में से ऐसा कोई संदिग्ध नहीं मिला, जिसकी भूमिका पर सवालिया निशान उठ सके। वहीं, सत्यापन करने के बाद इन्हें छोड़ दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि महाकुंभ से जुड़े हर बिंदु पर पुलिस मुख्यालय की ओर से रिपोर्ट मांगी जा रही है। ऐसे में एलआईयू, एटीएस समेत अन्य विंग के अधिकारी पूरी तरह से सक्रिय हैं। इंटेलिजेंस भी गोपनीय तरीके से अलग-अलग इलाकों की टोह लेने में जुट गई है। स्नान घाटों, शिविरों और मुख्य कार्यक्रम स्थलों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा चेक प्वाइंट्स पर हर व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है।

# शहर में 278 प्वाइंटों पर तैनात किए गए 2000 जवान, 12 स्थानों पर बनाए गए मोर्चे

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)**

**प्रयागराज।** महाकुंभ मेले की शुरुआत होने में महज एक दिन शेष है और इसे लेकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसके लिए शहर में 278 प्वाइंटों पर दो हजार जवान तैनात किए गए हैं। शहर क्षेत्र के सभी इंट्री प्वाइंटों समेत कुल 12 स्थानों पर मोर्चे बनाए गए हैं। महाकुंभ मेले की शुरुआत होने में महज एक दिन शेष है और इसे लेकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसके लिए शहर में 278 प्वाइंटों पर दो हजार जवान तैनात किए गए हैं। शहर क्षेत्र के सभी इंट्री प्वाइंटों समेत कुल 12 स्थानों पर मोर्चे बनाए गए हैं। इन पर लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों से लैस जवान मुस्तैद किए गए हैं। महाकुंभ मेला क्षेत्र में आगमन करने वाले श्रद्धालु शहर में विभिन्न दिशाओं पर स्थित रूटों से होकर गुजरेंगे। सुरक्षा को लेकर जो योजना बनाई गई है, उसके तहत सात चक्रीय घेरा बनाया गया है। इसी के तहत शहर के सभी इंट्री प्वाइंटों पर मोर्चे बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त सुरक्षा के लिहाज से चिह्नित किए गए अन्य संवेदनशील प्वाइंटों पर भी मोर्चे बनाए गए हैं। कौशाम्बी-प्रयागराज राजमार्ग पर पूरामुफ्ती में सल्लाहपुर चौकी के सामने और एयरपोर्ट रोड पर मोर्चे बनाए गए हैं। रीवा-प्रयागराज, बांदा-प्रयागराज व मिर्जापुर-प्रयागराज रूट पर बांगड़ चौराहे और जीटी जवाहर चौराहे पर दो मोर्चे बनाए गए हैं। इसी तरह बालसन और टीबी अस्पताल चौराहे पर भी दो मोर्चों पर सशस्त्र जवानों की तैनाती की गई है। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि शहर के सभी इंट्री प्वाइंटों पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यहां तीन शिफ्टों में पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात रहेंगे। कमिश्नरेट पुलिस को मेला ड्यूटी के लिए मिली फोर्स में से दो हजार जवान 278 प्वाइंटों पर मुस्तैद हैं।मोर्चों के साथ ही शहर में सुरक्षा के लिए दो बख्तरबंद वाहनों से भी सशस्त्र जवान अलग-अलग रूटों पर लगातार गश्त कर रहे हैं। डीसीपी ने बताया कि शहर से मेला क्षेत्र की ओर जाने वाले छह रास्तों पर दो-दो घंटे के लिए बख्तरबंद वाहनों से पुलिसकर्मियों की गश्त ड्यूटी लगाई गई है।

# राम जानकी मंदिर से निकाली गई शोभा यात्रा

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** पुण्यस्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी




समारोह के निमित्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शुक्रवार को नगर के राम जानकी मंदिर से शोभा यात्रा का आयोजन किया गया था जिसमें नगर के सम्मानित लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया पूरे नगर में श्री राम जय राम जय जय राम एवं माता अहिल्या बाई की जय घोष के साथ नगर के माता एवं बहनों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए शोभा यात्रा में सम्मिलित हुई शोभायात्रा नगर के में मार्केट से होते हुए बरौली चौराहा होते हुए सिविल लाइन रोड पर स्थित वीरेश्वर महादेव मंदिर पर शोभा यात्रा का समापन हुआ स्त्री शताब्दी कार्यक्रम के निमित्त माता अहिल्याबाई का 300वा वर्ष पूरे देश में मनाया जा रहा है आज शोभा यात्रा के माध्यम से लोगों ने पूरे नगर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं 11 जनवरी को स्वामी विवेकानंद परीक्षा गृह में माता अहिल्याबाई की जयंती समारोह का कार्यक्रम रखा गया है इस शोभायात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक उपेंद्र संतोष महेश विजय आनंद बृजेश नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव बलराम सोनी अनुपम तिवारी कृष्ण मुरारी गुप्ता पुष्पा सिंह गुड़िया त्रिपाठी रितु अग्रहरि अमन वर्मा धर्मवीर त्यागी उपस्थित रहे।

## पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनपद के मा0 जनप्रतिनिधिगण के साथ पुलिस कार्यालय में मासिक समन्वय गोष्ठी आयोजित की गयी

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।**शासन की मंशा के अनुरुप आज दिनांक 10.01.2025 को पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस लाइन चुर्क स्थित पुलिस कार्यालय में जनपद के मा0 जनप्रतिनिधियों के साथ मासिक समन्वय गोष्ठी आयोजित कर उनसे विभिन्न बातों पर विचार-विमर्श किया गया । इस दौरान मा0 विधायक घोरावल अनिल कुमार मौर्य, त्रिपुरारी गौड़ जनप्रतिनिधि मा0 सांसद रॉबर्ट्सगंज, संतोष शुक्ला जनप्रतिनिधि मा0 विधायक सदर उपस्थित रहे ।

## थाना ओबरा पुलिस द्वारा लगातार फरार चल रहे पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त के विरुद्ध कुर्की के आदेश

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** थाना ओबरा जनपद सोनभद्र पर पंजीकृत मु0अ0सं0-193/2024 धारा 65(1), 351(3), 352 बीएनएस व 3/4(2) पॉक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्त राज सोनकर पुत्र चौधरी सोनकर निवासी मलिन बस्ती चूड़ी गली थाना ओबरा जनपद सोनभद्र के विरुद्ध धारा 84 बीएनएसएस की कार्रवाई की गयी। अवगत कराना है कि अभियुक्त राज सोनकर उपरोक्त निरन्तर फरार चल रहा हैं तथा मा0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहा था जिसपर नियमानुसार माननीय न्यायालय पॉक्सो कोर्ट सोनभद्र द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध कुर्की की उद्‌घोषणा के सम्बन्ध मे अन्तर्गत धारा 84 बीएनएसएस की नोटिस निर्गत की गयी । आदेश के क्रम में थाना ओबरा पुलिस द्वारा अभियुक्त राज सोनकर उपरोक्त के घर पर समक्ष गवाहान कुर्की आदेश की नोटिस चस्पा कर उद्घोषणा करवायी गयी व डूग्डी पिटवायी गयी । अभियुक्त के घर एवं आस-पास के क्षेत्रों में मुनादी करायी गयी कि यदि फरार अभियुक्त मा0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होता है तो उसके विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जायेगी । इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह थाना ओबरा जनपद सोनभद्र मय टीम मौजूद रहें ।

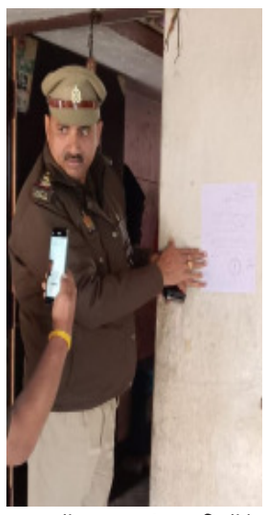

## थाना रायपुर पुलिस द्वारा फरार चल रहे 02 नफर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा गया मा0 न्यायालय

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।**पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में



जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना रायपुर पुलिस द्वारा दिनांक 10.01.2025 को फरार चल रहे 02 नफर वारण्टी अभियुक्तों 01. भागीरथी पुत्र महावीर निवासी बैनी टोला बरहुआ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र 45 वर्ष। 02. राजकुमार पुत्र श्यामबिहारी निवासी ग्राम बैनी टोला बरहुआ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 26 वर्ष को मु0नं0 1562/15 धारा 323, 504 भादवि के सम्बन्ध में मा0 न्यायालय एसीजेएसडी/एसीजेएम के आदेश क्रम में निर्गत वारण्ट एनबीडब्लू में थाना रायपुर पुलिस द्वारा अभियुक्तो को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता-** 1.भागीरथी पुत्र महाबीर निवासी बैनी टोला बरहुआ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र 45 वर्ष। 2.राजकुमार पुत्र श्यामबिहारी निवासी ग्राम बैनी टोला बरहुआ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 26 वर्ष। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 1. थानाध्यक्ष रामदरश राम, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 बालकृष्ण, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 3.हे0का0 कमलाकर सिंह, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र।

## चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान हेतु हुए सम्मानित

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** स्थानी निवासी डॉक्टर विवेक को चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट




कार्य एवं योगदान हेतु सम्मानित किया गया है ज्ञातव्य है कि डॉ विवेक स्वास्थ्य विभाग में वरिष्ठ लिपिक धर्मेश कुमार के सुपुत्र हैं जो वर्तमान में दिल्ली के प्रसिद्ध सर गंगाराम हॉस्पिटल से पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी से सुपर स्पेशलिटी कोर्स डी एम कर रहे हैं। डॉ विवेक को यह सम्मान इंडियन कम्युनिटी आफ पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के 36 में वार्षिक सम्मेलन में देश भर के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों की उपस्थिति में दिया गया है उनके इस उपलब्धि से स्थानीय निवासियों एवं शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है ।डॉ विवेक ने इसके पूर्व केजीएमयू से एमबीबीएस एवं आगरा मेडिकल कॉलेज से एम डी किया है अब वे सर गंगा राम हॉस्पिटल से उपरोक्त कोर्स कर रहे हैं। उपरोक्त विषय के अत्यंत कम चिकित्सक हैं उनके इस विधा से डी एम करने पर बाल चिकित्सा के क्षेत्र में काफी सहुलते मिलेंगी ।शुभचिंतकों ने डॉ विवेक को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

## आम जन के सहयोग से जनपद को बेहतर बनाने को हुई अपील

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।**पिरामल फाउंडेशन और स्थानीय पत्रकारो के साथ आपसी वार्तालाप हेतु शनिवार को होटल अरिहंत रॉबर्ट्सगंज में एक पिरामल फाउंडेशन और पत्रकार बंधुओ के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पिरामल फाउण्डेशन की राज्य स्तरीय टीम ने भी प्रतिभाग किया, वहीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे पिरामल फाउंडेशन के जनपद प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया की फाउंडेशन ग्राम पंचायत को सक्षम बनाने हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय लोगों के सहयोग से ग्राम पंचायत विकाश योजना बना कर क्रियान्यवयन किया जा रहा है जिससे भारत सरकार को जो ग्राम पंचायत का सतत् विकाश का लक्ष्य है उसे प्राप्त करने मे सहयोग मिल सके साथ हि महिला विकास, बाल मैत्री ग्राम पंचायत सहित स्वास्थ सेवाओ को जन जन तक पहुचाने हेतु बेहतर प्रयास किया जा रहा है साथ हि पत्रकारिता जगत के चुनौतियों एवं समस्याओं पर चर्चा किया और सम्भावित समाधान , सल्युसन जर्नलिजम के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा करते हुए पत्रकार हितों को ध्यान में रख कर एक आनलाइन सर्वे किया ।आम जन के आवश्यकता के सम्बन्ध में था, पिरामल फाउंडेशन से राज्य प्रतिनिधि अमृत आनंद ने बताया की उत्तर प्रदेश के सभी आठों आकाँक्षी जनपद में इस प्रकार से बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की जायेगी । उक्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की हम सभी मिलकर आपसी समनव्य से कार्य करते हुए जनपद को बेहतर बनाने मे योगदान देंगे इस इध्ऊध् उेंघ्‍ दौरान जनपद के सभी पत्रकार साथियों सहित पिरामल फाउण्डेशन से गांधी फेलो सृष्टि भुजेल , एडमिन मनोज कुमार आदि लोग उपस्थित रहें।



## रावर्टसगंज नगर पालिका बोर्ड की बैठक हुई संपन्न

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।**नगर पालिका परिषद सोनभद्र बोर्ड की बैठक रूबी प्रसाद, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में पालिका सभाकक्ष में शुक्रवार को सम्पन्न हुई। बैठक में निकाय के राज्य वित्त, 15वां वित्त आयोग के टाइड व अनटाइड ग्रान्ट में उपलब्ध धनराशि तथा विभिन्न योजनाओं में अवशेष बची कुल रू0 1100.00 लाख धनराशि के सापेक्ष नगर के सभी वार्डों में विकास कार्यों से संतृप्त करने हेतु कार्ययोजना की स्वीकृति बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त उ0प्र0 शासन के द्वारा निर्गत आदेश के अनुरूप स्वकर गृहकर निर्धारण करने, जी0आई0एस0 सर्वे कराने निकाय सीमा में सम्मिलित सभी सरकारी भूमि तथा तालाबों को निकाय के प्रबन्धन में हस्तगत करने, नगर में पेयजल की व्यवस्था हेतु बोर/टंकी आदि की स्थापना, जलनिकासी हेतु महत्वपूर्ण स्थानों पर कवर्ड नाला निर्माण, अवैध अतिक्रमणों को हटाने तथा नगर में पार्किंग व्यवस्था, वेन्डिंग जोन निर्धारण, फूड स्ट्रीट हब आदि विषयों पर गम्भीरता से चर्चा के दौरान सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। इस वित्तीय वर्ष में अब तक विभिन्न मदों में व्यय/कराये गये कार्यों की सूची बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसकी सर्व सम्मति से पुष्टि की गयी। अध्यक्ष रूबी प्रशाद द्वारा नगर के सर्वांगिण विकास में बोर्ड के अमूल्य सहयोग के लिये सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा गया कि आगामी दिनों में और विकास कार्य तेजी के साथ सम्पन्न होगें जिसका सीधा लाभ नगर की जनता को दिलाने के लिये मैं कटिबद्ध हूँ। बैठक में विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी तथा पालिका के सभी वार्डों के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक अत्यन्त सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई तथा उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये बैठक समाप्ति की घोषणा की गयी। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव, जेई मनीष कुमार, सभासद अनवर कुमार, मनोज चौबे, दिनेश कुमार, सहित आदिल आदि मौजूद रहे।

## मानदेय बढ़ोतरी को लेकर माध्यमिक भारतीय रसोईया वेलफेयर ने बुलंद की आवाज

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** माध्यमिक भारतीय रसोईया वेलफेयर एसोसिएशन बैनर तले पदाधिकारी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नामित ज्ञापन एडीएम सहदेव मिश्रा को देखकर बुलंद की आवाज। जिलाध्यक्ष जगदीश प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री पोषण योजना एम0डी0एम के अन्तर्गत सरकारी अघसरकारी मान्यता प्राप्त एडेड विद्यालयों में कार्यरत समस्त वर्कर्स रसोईया सहायकों भोजन माताओं संयोजिकाओं अध्यक्षों समुह सखिओं आदि को स्थाई करते हुए श्रम मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित असंगठित श्रमिक नियुन्तम वेतन मानदेय 1 अक्टूबर सन् 2024 के आदेश के कम में (इक्किस हजार सात सौ) रू0 सम्पूर्ण शिक्षा शत्र का 12 मांह का वेतन दिलवाने एवं लम्बित प्रकरण को निस्तारित कराये जाने की बात कही गई थी वही जगदीश प्रसाद ने बताया की ओर आपका महत्वपूर्ण ध्यान आकृष्टि कराते हुए निम्नांकित अनुरोध करता हूँ कि देश में परिषदीय विद्यालयों / मान्यता प्राप्त विद्यालयों कार्यरत हैं। अपने कर्तव्यों का के पालन निष्ठापूर्वक समयानुसार करती चली आ रही हैं, जिसका पारिश्रमिक एक माह का मानदेय मात्र 2000 रू0 मिलता है, जिससे रसोईयों/ एम0डी0एम0 वर्कर्सी के सामने सदैव दैनिय स्थिति बनी रहती है। आप (केन्द्र/प्रदेश) सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये महत्वपूर्ण शासनादेश का हम स्वागत एवं अभिनन्दन करते हैं। साथ ही साथ निम्नांकित मांग पत्र प्रस्तुत करती/ करता है। लम्बित मुख्य पांच सूत्री मांग पत्र देकर अपनी आवाज रखी गई है। इस मौके पर प्रवक्ता मीडिया प्रभारी तैयब अंसारी, मंजू रीना गुड़िया सहित आदि लोग मौजूद रहे।

## 136 प्रार्थना पत्रों में से कुल 74 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही हुए निस्तारण

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।**शनिवार को जनपद के समस्त थानों पर ठथाना समाधान दिवसठ का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना चोपन पर तथा समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल क्षेत्र पर आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इसी क्रम में समस्त थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने थानों पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। इसी के साथ यह भी निर्देश दिया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । जनपद में पुलिस से सम्बन्धित प्राप्त कुल 14 प्रार्थना पत्रों में से 10 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण तथा राजस्व से सम्बन्धित कुल 122 प्रार्थना पत्रों में से 64 का मौके पर ही निस्तारण किया गया (इस प्रकार कुल 136 प्रार्थना पत्रों में से 74 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया) जबकि शेष बचे प्रार्थना पत्रों का निस्तारण आवश्यकतानुसार कार्रवाई कर शीघ्र निस्तारण किया जायेगा ।

## थाना हाथीनाला पुलिस ने गैरइरादतन हत्या के प्रकरण में 03 नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** प्रकरण- अवगत कराना है कि दिनांक-29.12.2024 को शिवकुमार पुत्र जयश्री निवासी ग्राम मनबसा, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र द्वारा थाना हाथीनाला पर लिखित



तहरीर दी गयी कि दिनांक 26.12.2024 की रात्रि 8:00 बजे मेरा पुत्र दिनेश कुमार घर से अपने बाइक संख्या ळझ् 64ंए 7073 बजाज सीटी 100 से निकला परंतु घर वापस नहीं आया, फोन व अन्य माध्यम से काफी खोजबीन किया गया किन्तु मेरे लड़के सम्बन्ध में कोई पता नही मिला । जबकि उसकी मोटरसाइकिल दिनांक-27.12.2024 को ग्राम गडदरवा में विजय गुप्ता के घर के पास खड़ी मिली। पीड़ित के पिता द्वारा चन्दर पुत्र स्व0 तिलक सिंह, विजय सिंह गौड़ पुत्र स्व0 मटुका सिंह, देव सिंह पुत्र स्व0 तिलक, मनोज तिवारी पुत्र शम्भू तिवारी व विजय गुप्ता पुत्र बन्धुनाथ समस्त निवासीगण गडदरवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र के विरुद्ध आरोप लगाते हुए तहरीर दी गयी । उपरोक्त घटना के सम्बन्ध में थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 43/2024 धारा 140 (1) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही थी कि दिनांक 06.01.2025 को थाना हाथीनाला पर सूचना प्राप्त हुई की गडदरवा की जंगल में एक व्यक्ति का शव मिला है । इस पर हाथीनाला पुलिस द्वारा मिले शव की शिनाख्त करायी गई तो मृतक की पहचान दिनेश कुमार पुत्र शिव कुमार निवासी ग्राम मनबसा, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र के रूप में हुयी। उक्त घटना का शीघ्र अनावरण व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी ओबरा के नेतृत्व में थाना हाथीनाला पर पुलिस टीम गठित कर विशेष निर्देश दिये गये । निर्देश के क्रम में थाना हाथीनाला पुलिस टीम द्वारा अभियोग उपरोक्त में विवेचना के क्रम में प्रकाश में आये 03 नफर अभियुक्तों 01.मनोज कुमार मौर्या पुत्र हरिहर मेहता 02.रविन्द्र कुमार पुत्र सोबरन मौर्या निवासीगण रजखड़, थाना दुद्धी,जनपद सोनभद्र 03.मनोज गौड़ पुत्र स्व0 रणजीत सिंह निवासी गड़दरवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र को साऊडीह तिराहे के पास से दिनांक 09.01.2025 को समय करीब 13.50 बजे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया । थाना हाथीनाला पर पंजीकृत अभियोग में धारा 140(1) को धारा-105, 238 बीएनएस में तरमीम किया गया । पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्त मनोज गौंड़ निवासी गड़दरवा ने पूछताछ में बताया कि मेरे खेत में आलू बोया हुआ है, रात्रि में कुछ जंगली सुअरों का झुण्ड मेरे खेत मे आलू खाने आये थे जिसपर मैने सुअरों को पकड़ने के लिए मनोज कुमार मौर्या व रविन्द्र कुमार निवासीगण दुद्धी के साथ मिलकर खेत के चारों तरफ विद्युत जाल बिछाया हुए थे, रात्रि में करीब 03.00 बजे जाकर देखा तो एक व्यक्ति विद्युत जाल से सटे पड़ा हुआ था इस पर हम तीनों लोग मिलकर उक्त व्यक्ति के शव को 08 किमी दुर गड़दरवा के जंगल ले जाकर फेक दिए। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का विवरण- 1.मनोज कुमार मौर्या पुत्र हरिहर मेहता, निवासी रजखड़, थाना दुद्धी,जनपद सोनभद्र उम्र करीब 36 वर्ष। 2.रविन्द्र कुमार पुत्र सोबरन मौर्या निवासी रजखड़, थाना दुद्धी,जनपद सोनभद्र उम्र करीब 49 वर्ष। 3.मनोज गौड़ पुत्र स्व0 रणजीत सिंह निवासी गड़दरवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 28 वर्ष।

## सरकार की दुहाई तो करते हैं कोटेदार कोटेदार की दवाई होगी कब सरकार

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** कोटेदार सघ अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया की उठी मांग की अन्य प्रदेशों की तरह हमारे प्रदेश में भी कमीशन?200 प्रति कुंतल किया जाए और गुजरात में ?20000 गारंटी मिनिमम के रूप में मानदेय दिया जाता है वह उत्तर प्रदेश में भी लागू किया जाए जिससे कोटेदार के परिवार का बच्चों का पालन पोषण और पढ़ाई लिखाई सही तरीके से चल सके । जब सरकार को चुनाव लड़ना होता है तो ग्राम पंचायत के नगर के कोटेदारों को अपना फोटो छपवाकर झोले पर संदेश पत्र पर वितरित कोटेदार के द्वारा कार्ड धारको के मध्य कराया जाता है जिससे कि उनकी सरकार का प्रचार प्रसार हो सके और उनकी सरकार बने। इस भूमिका में सरकार को बनाने के लिए कोटेदार एक कड़ी है लेकिन सरकार उसके साथ सौतेला व्यवहार कर रही है । पीड़ित कोटेदारो ने बताया कि हमारे इस मांग को कई सालों से लंबित रखा गया है जिसको सरकार सुनने के लिए तैयार नहीं है तो हम लोग मौजूद सरकार का विरोध प्रदर्शन करने की आवाज में बाएं हाथ पर काली पट्टी बांधकर खदान का वितरण कर पूरे जनपद में चल रहा है जनपद ही नहीं पूरे प्रदेश में चल रहा है और प्रदेश की नहीं पूरे भारत में राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है ।

## थाना माँची पुलिस को मिली सफलता, 02 नफर पशु तस्करों को किया गिरफ्तार, जंगल के रास्ते से बिहार ले जा रहे कुल 06 राशि गोवंश बरामद

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** अशोक कुमार मीणा, पुलिस

अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन्) व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों व गौ-तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना मांची पुलिस द्वारा दिनांक 10.01.2025 को थाना क्षेत्र कजियारी मोड़ ग्राम सुअरसोतखुर्द से ग्राम बाके होते हुए जंगल के रास्ते बिहार ले जा रहे 06 राशि गोवंश के साथ 02 नफर अभियुक्तों 01. राकेश यादव पुत्र बुटाई यादव ग्राम बड़गांवकला थाना अधौरा जनपद कैमूर भभुआ बिहार उम्र करीब 30 वर्ष 02. प्रेमनारायण प्रजापति पुत्र रामदुलारे प्रजापति निवासी कजियारी थाना माँची सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष को गिरफ्तार किया गया उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना माँची पर मु0अ0सं0- 02/2025 धारा 3/5ए/8 गो-वध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया है। अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 01. राकेश यादव पुत्र बुटाई यादव ग्राम बड़गांवकला थाना अधौरा जनपद कैमूर भभुआ बिहार उम्र करीब 30 वर्ष । 02. प्रेमनारायण प्रजापति पुत्र रामदुलारे प्रजापति निवासी कजियारी थाना माँची सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष। बरामदगी का विवरण- 06 राशि गौवंश । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 01. उ0 नि0 रामनयन यादव चौकी सुअरसोत थाना माँची जनपद सोनभद्र 02. हे0 का0 सुमन्त कुमार चौकी सुअरसोत थाना माँची जनपद सोनभद्र 03. का0 हिमांशु सोनकर चौकी सुअरसोत थाना माँची जनपद सोनभद्र।

## जनपद के समस्त थानों पर आयोजित किया गया थाना समाधान दिवस

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** जनपद के समस्त थानों पर ठथाना समाधान दिवसठ का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना चोपन पर तथा साथ यह भी निर्देश दिया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व



समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल क्षेत्र पर आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इसी क्रम में समस्त थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने थानों पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। इसी के प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । जनपद में पुलिस से सम्बन्धित प्राप्त कुल 14 प्रार्थना पत्रों में से 10 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण तथा राजस्व से सम्बन्धित कुल 122 प्रार्थना पत्रों में से 64 का मौके पर ही निस्तारण किया गया (इस प्रकार कुल 136 प्रार्थना पत्रों में से 74 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया) जबकि शेष बचे प्रार्थना पत्रों का निस्तारण आवश्यकतानुसार कार्रवाई कर शीघ्र निस्तारण किया जायेगा ।

# बॉलीवुड/टेली मसाला

## तलाक की अफवाहों के बीच श्रेयस अय्यर के साथ 'बिग बॉस' के सेट पर पहुंचे चहल, जानें कब आएंगे नजर

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** तलाक की अफवाहों के बीच युजवेंद्र चहल को साथी क्रिकेटर्स श्रेयस अय्यर और शशांक सिंह के क्रिकेटर्स श्रेयस अय्यर और शशांक सिंह के साथ सलमान खान के बिग बॉस 18 के सेट पर पहुंचे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों इस हफ्ते के वीकेंड



साथ सलमान खान के बिग बॉस 18 के सेट पर देखा गया। तीनों के वीकेंड के वार पर शामिल होने का दावा किया जा रहा है।भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा इन दिनों अपनी तलाक की अफवाहों के कारण सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच युजवेंद्र चहल अपने साथी का वार एपिसोड में बॉलीवुड सुपरस्टार के साथ शामिल होंगे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें तीनों क्रिकेटर्स ने पैपाराजी के लिए एक साथ पोज किया। इस दौरान चहल अपने साथियों के साथ हंसी-मजाक करते और काफी खुश नजर आएं। दरअसल, कुछ दिनों पहले युजवेंद्र चहल ने इंस्टाग्राम से अपनी पत्नी धनश्री की तस्वीरें डिलीट कर दी। दोनों ने एक दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया। इसके बाद से फैंस ने दोनों की शादी में समस्या होने की अटकलें लगानी शुरू कर दी। देखते ही देखत यह खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और लोगों ने दोनों के तलाक की अटकलें लगानी शुरू कर दी। हाल ही में सोशल मीडिया पर चहल की आरजे महवश के साथ कुछ तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं, जिसके बाद नेटिजन्स ने कयास लगाने शुरू कर दिए है कि क्या महवश ही वह मिस्ट्री गर्ल हैं, जिन्हें चहल के साथ कुछ समय पहले देखा गया था। सामने आई तस्वीरों में चहल आरजे महवश और उनके दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताते नजर आ रहे हैं। महवश ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए कमेंट सेक्शन को बंद कर दिया। उनके कैप्शन में लिखा है, ठक्रिसमस लंच कॉन फैमिलिया।ठ युजवेंद्र चहल ने दिसंबर 2020 में डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा से शादी रचाई थी। शादी के चार वर्षों बाद अब उनकी तलाक की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। इन अफवाहों से कपल के फैंस चिंतित हैं।

## क्या फोन की वजह से आमिर खान ने कभी खोया किसी का भरोसा लवयापा के ट्रेलर लॉन्च में एक्टर का खुलासा

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म 'लवयापा' का ट्रेलर आज लॉन्च हुआ। इवेंट में मिस्टर परफेक्शनिस्ट में मौजूद रहे, मुसीबत बनकर सामने आता दिखाई दिया है। प्यार, रिश्ते और शादी को लेकर यह फिल्म आज की पीढ़ी की हकीकत दिखाती नजर आई है। एक-दूजे के प्यार में डूबे दो लोगों के फोन कि क्या आप जुनैद को प्यार के मामले में सलाह देते हैं? इस पर आमिर ने हंसते हुए कहा, 'नहीं, नहीं, मैं प्यार के मामले में सलाह लेता हूं, देता नहीं हूं'। जब पूछा गया कि हाल-फिलहाल



जहां उन्होंने कई दिलचस्प बातें साझा की हैं।आमिर खान के बड़े बेटे जुनैद खान ने बीते वर्ष फिल्म महाराज से ओटीटी पर अभिनय की दुनिया में दस्तक दी। अब वे पहली बार बड़े परदे पर आ रहे हैं फिल्म लवयापा के साथ। इसमें उनकी जोड़ी श्रीदेवी और बोनी कपूर की छोटी बिटिया खुशी कपूर के साथ जमेगी। फिल्म का ट्रेलर आज एक भव्य इवेंट में जारी हुआ, जहां आमिर खान भी मौजूद रहे। इस दौरान उनसे सवाल पूछा गया कि क्या उन्होंने फोन के चक्कर में कभी किसी का भरोसा खोया है फिल्म लवयापा के ट्रेलर में दो प्यार करने वालों के बीच मोबाइल फोन जब एक्सचेंज कर दिए जाते हैं तो प्यार के पीछे छिपा धोखे का खुलासा होता है। आज ट्रेलर लॉन्च इवेंट में जब आमिर खान से पूछा गया कि क्या फोन के चक्कर के उन्होंने किसी का यकीन तोड़ा है? इस पर एक्टर ने कहा, 'नहीं! मैं फोन का इतना इस्तेमाल करता ही नहीं हूं'। एक्टर ने कहा, 'ईमानदारी से बताऊं तो मैं फोन इतना इस्तेमाल करता ही नहीं हूं। मेरा फोन मेरे साथ रहता ही नहीं है, यह किसी और के पास होता है। इसलिए मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। मैं इस तरह की अजीबोगरीब स्थिति में नहीं फंसा। ऐसी खुशकिस्मती मेरे साथ नहीं हुई'। एक्टर से पूछा गया में अगर कुछ मिली हो सलाह जुनैद से? इस पर आमिर ने कहा कि क्या ही अजीब सवाल पूछा जा रहा है।आमिर खान ने आगे कहा, 'मैं इस वक्त कोई लव एडवाइज नहीं ले रहा हूं। मैं बहुत खुश हूं और लव के मूड में नहीं हूं। अभी फिल्म देखेंगे तो शायद आ जाएंगे लव के मूड में'। इस मौके पर जुनैद से पूछा गया कि क्या उनकी गर्लफ्रेंड है या वो अपनी होने वाली गर्लफ्रेंड के साथ अपना फोन शेयर करेंगे इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं बहुत फोन ज्यादा इस्तेमाल नहीं करता। मेरे दोस्त भी इससे परेशान रहते हैं। अभी तक पापा के न्यू ईयर मैसेज का भी रिप्लाई नहीं किया है।

## दिलजीत दोसांझ की लंबे समय से अटकी पड़ी फिल्म जल्द होगी रिलीज अभिनेता ने साझा किया अपडेट

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में अपनी बहुचर्चित फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है। जसवंत सिंह खालड़ा की बायोपिक बहुप्रतीक्षित फिल्म फरवरी में रिलीज हो रही है। इस हम अपने एलबम की रिलीज को स्थगित कर रहे हैं। दिलजीत ने अपने इंस्टा स्टोरी पर फिल्म के नाम का जिक्र नहीं किया,



को लेकर उन्होंने बताया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी।दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'पंजाब 95' काफी समय से चर्चा में है। यह फिल्म अपने कंटेंट की वजह से लंबे समय से अटकी पड़ी है। हालांकि, अब लग रहा है कि यह फिल्म जल्द रिलीज हो सकती है। हाल ही में दिलजीत ने अपनी इस फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, लेकिन साझा की गई तस्वीरों से फैंस यह अंदाजा लगा रहे हैं कि वह अपनी फिल्म 'पंजाब 95' की बात करें रहे हैं। अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट पर दिलजीत ने कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ठमैं अंधकार को चुनौती दे रहा हूं।उनकी इस पोस्ट पर अब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। एक यूजर ने लिखा, ठमुझे खुशी है कि दुनिया इस फिल्म को देख सकेगी और जसवंत सिंह खालड़ा के बारे में जान सकेगी।ठ एक अन्य ने लिखा, ठइस तरह के किरदार केवल दिलजीत ही निभा सकते हैं।ठ इसके अलावा और भी बहुत से यूजर्स ने फिल्म के जल्द रिलीज होने की खबर जानकर अपनी खुशी व्यक्त की।दिलजीत दोसांझ की फिल्म पंजाब 95 लंबे समय से विवादों में है। फिल्म का निर्देशन हनी त्रेहान ने किया है। यह मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जीवन पर आधारित बायोपिक है। इसका निर्माण रॉनी स्क्रूवाला ने किया है। निर्माताओं ने फिल्म का नाम पहले 'घल्लूघारा' रखा था, लेकिन बाद में इसे पंजाब 95 कर दिया गया। हालांकि, सेंसर बोर्ड ने निर्माताओं से इस फिल्म के नाम को भी बदलने की बात कही थी।कहानी काफी ज्यादा संवेदनशील मुद्दे पर है। इस वजह से सेंसर बोर्ड इस फिल्म को लेकर फूंक-फूंककर कदम रख रही थी। पहले इस फिल्म पर 85 कट लगाने की बात कही गई थी, लेकिन रिवाइज कमेटी में जाने के बाद इस पर 120 कट लगाने की बात कही गई थी। हालांकि, फिल्म पर कितनी कैंची चली है, इसकी आधिकारिक जानकारी आनी बाकी है।

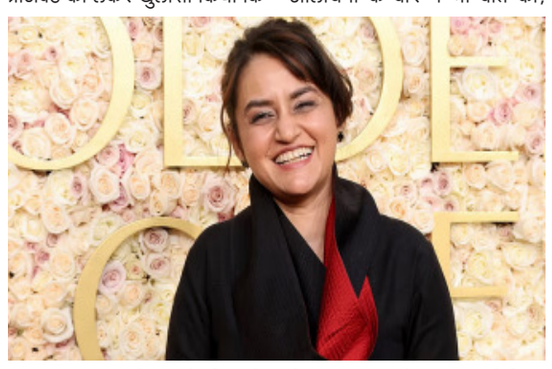

## गेम चेंजर' के साथ पहले दिन ही हुआ खेला, बॉक्स ऑफिस 'फतेह' नहीं कर सकी सोनू सूद की फिल्म

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** 'गेम चेंजर' बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन अच्छा कारोबार नहीं कर सकी। सोनू सूद की फिल्म फतेह का भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। लगातार मजबूती से टिके हुए हैं। आइए जानते हैं कि किस फिल्म ने शुक्रवार को कैसी कमाई की 'गेम चेंजर' की बात करें तो पहले दिन पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर होगा सोनू सूद की 'फतेह' भी 10 जनवरी को गेम चेंजर के साथ रिलीज हुई। यह फिल्म भी अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी। फिल्म में सोनू के अलावा जैकलीन फर्नांडीज और



आइए जानते हैं कि शुक्रवार को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही फिल्मों ने कैसा प्रदर्शन किया?तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर ने 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी। फिल्म की रिलीज को लेकर काफी समय से चर्चाएं तेजी थीं। मकर संक्रांति और पोंगल जैसे त्योहार के मौके पर आई यह फिल्म पहले भले ही बॉक्स ऑफिस पर अर्धशतक लगाने में कामयाब रही, लेकिन फिल्म के बजट के हिसाब से यह ओपनिंग अच्छी नहीं कही जा सकती। इस फिल्म को हिट होने के लिए अभी लंबी दूरी तय करनी होगी। वहीं, इसके साथ रिलीज हुई सोनू सूद की फिल्म फतेह का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल नजर आया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की। इस फिल्म के अलावा पुष्पा 2 और मुफासा थिएटर्स में औसत शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 450 करोड़ के आस-पास है। ऐसे में इसे हिट होने के लिए कम से कम पहले दिन अपने लागत के 20 प्रतिशत की कमाई यानी 90 करोड़ का कलेक्शन करना चाहिए था। फिल्म ने 10 जनवरी को टिकट खिड़की पर 51.25 करोड़ का कलेक्शन किया। सबसे ज्यादा फिल्म ने तेलुगु में 42 करोड़ रुपये कमाए। वहीं इसने हिंदी में सात करोड़, तमिल में दो करोड़ 10 लाख, कन्नड़ में एक लाख और मलयालम में पांच लाख रुपये की कमाई की। 'गेम चेंजर' की पहले दिन की कमाई 'आरआरआर' से आधी रही। एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म 'आरआरआर' ने ओपनिंग डे पर 103 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट होने के लिए पहले वीकएंड में और अच्छा कारोबार करना नसीरुद्दीन शाह भी हैं। यह फिल्म कई हॉलीवुड फिल्मों की याद दिलाती है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन की बात करें तो इसने शुक्रवार को दो करोड़ 45 लाख रुपये की कमाई की है। 'पुष्पा 2' की धांसू कमाई बॉक्स ऑफिस पर लगातार जारी है। फिल्म टिकट खिड़की पर अब भी करोड़ों में कारोबार कर रही है। 37वें दिन इस फिल्म ने एक करोड़ नौ लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 1216.09 करोड़ हो गई है। मुफासा द लायन किंग पिछे तीन हफ्ते से बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है। फिल्म ने अब चौथे हफ्ते में भी अपने कदम रख दिए हैं। हालांकि, अब इस फिल्म की रफ्तार सुस्त होती जा रही है। भारत में फिल्म ने 22वें दिन 65 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन अब 128.30 करोड़ रुपये हो गया है।

## पायल कपाड़िया अगली फिल्म की तैयारी में जुटीं, प्रोजेक्ट को लेकर अपडेट किया साझा

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** ऑल वी इमेजिन एज लाइट' की सफलता के बाद पायल कपाड़िया अपनी आगामी फिल्म पर जुट गई हैं। उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर खुलासा किया कि कहा, यह थोड़ा जल्दी है, लेकिन मैं मुंबई में दो और फिल्में करने और इस तरह की एक ट्रायो बनाने के बारे में सोच रही हूं।पायल कपाड़िया ने फिल्म निर्माता जाह्नु बरुआ की आलोचना के बारे में भी बात की,



यह मुंबई पर आधारित होगी, जिसकी कहानी उन्होंने लिखनी शुरु कर दी है। पायल कपाड़िया के निर्देशन में बनी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' अपने रिलीज के बाद से ही चर्चा में है। फिल्म ने 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में 'ग्रांड प्रिक्स' अवॉर्ड झटका। फिर इसे 82वें गोल्डन ग्लोब में भी नामांकन मिला, हालांकि, अवॉर्ड हासिल करने से यह फिल्म चूक गई। फिल्म के ओटीटी रिलीज के बाद, पायल कपाड़िया कथित तौर पर अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कपाड़िया ने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर अपडेट साझा की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पायल ने खुलासा किया कि उन्होंने मुंबई पर आधारित अपनी अगली फिल्म को लिखना शुरू कर दिया है। उन्होंने जिन्होंने भारत की ऑस्कर समिति के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पायल की फिल्म को तकनीकी रूप से बहुत खराब कहा था। उनके बयान पर कपाड़िया ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उनका क्या मतलब था और अगर वह भविष्य में मिलते हैं तो वह उनसे पूछना चाहेंगी। इंडो-फ्रेंच सहयोग से बनी 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' में कनी कुसरुति, दिव्या प्रभा, ह्रदु हारून और छाया कदम मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म ने 2024 में कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीता, साथ ही 2024 में न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल और गोथम अवार्ड्स से सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर पुरस्कार जीता। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इसे वर्ष की अपनी पसंदीदा फिल्मों की सूची में शामिल किया।

## डिज्नी ने बढ़ाया मदद का हाथ, आग से हुए नुकसान से उबरने के लिए किया इतने करोड़ का दान

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** लॉस एंजिल्स में जंगल की आग से हुए बड़े नुकसान के मद्देनजर वाल्ट डिज्नी कंपनी ने राहत और पुनर्निर्माण के लिए मदद की घोषणा की है। लॉस एंजिल्स काउंटी



के जंगल में लगी आग में अब तक काफी ज्यादा नुकसान हो चुका है। इस भारी क्षति को देखते हुए वाल्ट डिज्नी कंपनी ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। शुक्रवार को कंपनी ने घोषणा करते हुए कहा कहा कि वह प्रारंभिक और तात्कालिक राहत एवं पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए एक करोड़ 50 लाख डॉलर (लगभग 120 करोड़ रुपये) दान करेगी।इस आग में अब तक हजारों घर और इमारतें जल चुकी हैं और कम से कम 10 लोग मारे गए हैं। आग की लपटों ने पैसिफिक पैलिसेड्स, मालिबू, पासाडेना और हॉलीवुड हिल्स में हजारों एकड़ जमीन जल डाली है। डिज्नी अपने एलान में कहा कि उसका दान अमेरिकी रेड क्रॉस, लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट फाउंडेशन और लॉस एंजिल्स रीजनल फूड बैंक जैसी संस्थाओं को जाएगा। वाल्ट डिज्नी कंपनी के सीईओ बॉब इगर ने कहा, ठइस त्रासदी में वाल्ट डिज्नी कंपनी हमारे समुदाय और हमारे कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि हम सब मिलकर इस इस नुकसान से उबर सकें और पुनर्निर्माण कर सकें।उन्होंने आगे कहा, ठवाल्ट डिज्नी ने लॉस एंजिल्स में अपनी कल्पना के साथ कदम रखा था। यहीं उसने अपने सपनों को आगे बढ़ाया और अद्भुत कहानियां बनाई जो दुनियाभर के लाखों लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम इस मजबूत और जीवंत समुदाय को इस कठिन समय में सहायता देने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।डिज्नी ने एलएएफडी जैसे प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं और केएबीसी के चौबीसों घंटे काम करने वाले पत्रकारों के इस सप्ताह के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक करोड़ 50 लाख डॉलर के दान के अतिरिक्त कंपनी अपने अपने कर्मचारी राहत कोष में और अधिक संसाधन देने का इरादा रखती है ताकि इस संकट के कारण कठिनाइयों का सामना कर रहे कर्मचारियों की मदद की जा सके।

## राशिफल

**मेष-:**आप किसी कार्य को लेकर चिंतित रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय में लॉस हो सकता है। अपने पार्टनर से सतर्क रहें, नहीं तो व्यापार-व्यवसाय में बड़ा नुकसान हो सकता है। वाणी पर संयम रखें।

**वृष-** यह सप्ताह आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपने परिवार के साथ इस सप्ताह कहीं बाहर यात्रा आदि पर जा सकते हैं। साथ ही परिवार में माहौल अच्छा रहेगा।

**मिथुन-:** यह सप्ताह मिथुन राशि वालों के लिए शानदार रहने वाला है। आपके सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। इस सप्ताह आप परिवार के साथ आनंद के क्षण बिताएंगे।

**कर्क-:**यह सप्ताह परेशानियों से भरा रहेगा। आप मानसिक तौर से काफी परेशान रह सकते हैं। परिवार में किसी आकस्मिक घटना के चलते समूचे परिवार में माहौल अशांत रहेगा।

**सिंह-:** यह सप्ताह आपके लिए अत्यधिक परिश्रम भरा रहेगा। आप जिस कार्य का सोच रहे हैं, अथक प्रयास करने पर भी आपको उसमें सफलता न मिलने से मन अशांत रहेगा।

**कन्या-:** यह सप्ताह कन्या राशि वालों के लिए सामान्य रहेगा। आप कुछ परेशानियों के चलते अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। साथ ही यह सप्ताह कुछ समस्याओं से भरा रहेगा।

**तुला-:**आप कहीं बाहर की यात्रा पर जा सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में आपको कोई बड़ा पार्टनर मिल सकता है, जिस कारण सोचा हुआ काम पूरा हो जाएगा।

**वृश्चिक-:** बहुत दिन से जिस कार्य का सोच रहे हैं। वह काम किसी विशेष व्यक्ति के माध्यम से आज कार्य पूर्ण होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक लाभ होगा।

**धनु-:** कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आपका मन उदास रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में हानि के योग बनेंगे। आपके पार्टनर आपके साथ धोखा कर सकते हैं।

**मकर-:**आप कुछ बातों को लेकर मानसिक तौर से दबाव महसूस करेंगे। आप किसी काम के पूरे होने के लिए अधिक मेहनत करेंगे, परंतु सफलता आज आपको मिलना थोड़ा कठिन होगा।

**कुंभ-:** दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आज कोर्ट कचहरी के विवाद में फंस सकते हैं। व्यापार में बड़ा नुकसान हो सकता है। विरोधी वर्ग आपके प्रति षड्यंत्र रच सकते हैं।

**मीन-:**यह सप्ताह आप किसी बात विवाद या झगड़े आदि में फंस सकते हैं। विरोधी वर्ग आपको अपने षड्यंत्र का शिकार बना सकता हैं। वाद-विवाद से दूर रहे वाणी पर संयम रखें। किसी के बहकावे में ना आएं।

## अमिताभ बच्चन और सोनी चैनल प्रबंधन के बीच चरम पर तनाव, बार बार टल रही गेम शो केबीसी की शूटिंग'

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** टेलीविजन चैनल सोनी का माहौल इसका निजाम बदलने के बाद से ठीक नहीं है। पहले तो इसके तमाम नए धारावाहिक इस वजह से रद्द कर दिए गए कि इनकी कोई टीआरपी ही नहीं आ रही तो इन पर निवेश करने से क्या फायदा? फिर पुराने धारावाहिक 'सीआईडी' ने आते ही अपने नए सीजन में 'कौन बनेगा करोड़पति' से ज्यादा टीआरपी लाकर नया बवाल कर दिया है।क्या टीआरपी में 'सीआईडी' से पिछड़ने के बाद 'कौन बनेगा करोड़पति' को बंद कर देने का फैसला कर लिया गया है? इस सवाल का जवाब देने के लिए टीवी चैनल सोनी चैनल में ई तैयार नहीं है। हालत ये है कि गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का प्रसारण करने वाली टीम की सांसें आखिरी दम तक अटकी रहती हैं कि अगला एपिसोड उन्हें तैयार होकर कब मिलेगा? कभी हफ्तों के एडवांस एपिसोड तैयार करने लेने वाले सोनी चैन में इन दिनों अमिताभ बच्चन और चैनल प्रबंधन के बीच तनाव अपने चरम पर बताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि धारावाहिक 'कौन बनेगा करोड़पति' की शूटिंग इस हफ्ते कम से कम दो मौकों पर पूरी तैयारी होने के बाद आखिरी मौके पर रद्द कर दी गई। इसके चलते हालात इतने नाजुक हुए कि अगर बुधवार को अमिताभ बच्चन ने शूटिंग के लिए हां न की



होती तो इसी हफ्ते इस शो को बंद कर देने की नौबत आ सकती थी। किसी तरह अपनी पेशगत जिम्मेदारी निभाते हुए अमिताभ ने रुठे हुए मन से बुधवार को इस शो की शूटिंग की तब जाकर चैनल के गुरुवार और शुक्रवार के एपिसोड तैयार हो पाए। टेलीविजन चैनल सोनी का माहौल इसका निजाम बदलने के बाद से ठीक नहीं है। पहले तो इसके तमाम नए धारावाहिक इस वजह से रद्द कर दिए गए कि इनकी कोई टीआरपी ही नहीं आ रही तो इन पर निवेश करने से क्या फायदा? फिर पुराने धारावाहिक 'सीआईडी' ने आते ही 'कौन बनेगा करोड़पति' से ज्यादा टीआरपी लाकर नया बवाल कर दिया है। अब हालत ये है कि पूरे चैनल में किसी को नहीं पता कि 'कौन बनेगा करोड़पति' आगे जारी रहेगा या बीच में ही बंद हो जाएगा। सूत्र बताते हैं कि सप्ताह के शुरू से ही शूटिंग पर नहीं आने के बाद अगर बुधवार की शूटिंग के लिए भी अमिताभ बच्चन हां न करते तो गुरुवार को प्रसारित हुआ 'केबीसी' का एपिसोड, चैनल के पास था ही नहीं। बीती सदी के सुपर सितारे अमिताभ बच्चन के नाम का फायदा उठाकर इस सीजन में 'कौन बनेगा करोड़पति' से सोनी चैनल की सेल्स टीम ने खूब पैसे बटोरे हैं। अलग अलग उत्पादों के नाम तक लेकर अमिताभ बच्चन ने इसमें चैनल की सहायता की लेकिन अब बताते हैं कि पानी सिर से ऊपर जा रहा है। चैनल के प्रबंधन में शामिल युवाओं की टीम के अमिताभ बच्चन का उपहास करने की भी बातें बाहर आ रही हैं।इसके चलते ही बीते साल तमाम साउथ सितारों की मौजूदगी में शूट होने वाले 'कौन बनेगा करोड़पति' के एक ज्वेलरी स्पेशल एपिसोड की शूटिंग अमिताभ बच्चन ने ऐन मौके पर रद्द कर दी थी और फिर लगातार मनाए जान के बाद भी कई दिन बाद माने थे। बताते हैं कि ये पूरा मामला दिनों दिन पेचीदा होता जा रहा है। जानकारी के मुताबिक इस सीजन के लिए अमिताभ बच्चन के साथ सौ एपिसोड का जो करार हुआ था, वे सौ एपिसोड वह पहले ही पूरे कर चुके हैं। तय हुआ था कि कार्यक्रम का 50 एपिसोड का विस्तार इसके बाद और किया जाए, इसमें से भी 10 एपिसोड अमिताभ पूरे कर चुके हैं। अब बाकी के 40 एपिसोड पर घमासान जारी है। सोनी टीवी का हाल इन दिनों बेहाल है। इसकी पीआर टीम में इन दिनों इस्तीफों की झड़ी लगी हुई हैं।

## सम्पादकीय

# तिरुपति भगदड़ हादसा प्रयागराज महाकुम्भ के लिए एक सबक

ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो भारत में धार्मिक स्थलों पर और खास कर कुम्भ मेलों में, भगदड़ की घटनाएं कई बार घटी हैं। उदाहरण के लिए, 1820 में हरिद्वार में कुंभ मेले के दौरान 430 लोगों की जान गई थी। 1906 और 1986 में इलाहाबाद के कुंभ मेले में भी दर्जनों श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई। हमारे देश में धार्मिक स्थलों पर भगदड़ और बड़ी संख्या में जनहानि का एक लम्बा इतिहास है, फिर भी अतीत से सबक लेने के बजाय यह सिलसिला निरन्तर जारी है। धार्मिक स्थलों पर भगदड़ का ताजा उदाहरण तिरुमला तिरुपति देवस्थानम का है जो कि प्रयागराज महाकुम्भ के लिए एक बहुत बड़ा सबक है।उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रयागराज में भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम होंगे ताकि यह महाआयोजन जिसमें कई करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लेना है, निष्कंटक सुख-शांतिपूर्वक सम्पन्न हो जाय। आष्योजकों को ध्यान रखना चाहिए कि भीड़ जुटाने से बड़ी बात भीड़ को सुरक्षित और सहज रखना है।ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो भारत में धार्मिक स्थलों पर और खास कर कुम्भ मेलों में, भगदड़ की घटनाएं कई बार घटी हैं। उदाहरण के लिए, 1820 में हरिद्वार में कुंभ मेले के दौरान 430 लोगों की जान गई थी। 1906 और 1986 में इलाहाबाद के कुंभ मेले में भी दर्जनों श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई।1954 में इलाहाबाद कुंभ मेले में सबसे भयावह भगदड़ हुई थी, जिसमें 500 से 800 श्रद्धालु मारे गए और 1000 से अधिक घायल हुए। अन्य उल्लेखनीय घटनाओं में 2013 का इलाहाबाद कुंभ मेला, जहां रेलवे स्टेशन पर 36 लोग मारे गए थे, और 2008 का नैना देवी मंदिर हादसा, जिसमें 146 लोगों की मृत्यु हुई थी। हाल ही में, 8 जनवरी 2025 को तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की घटना हुई, जिसमें कई लोगों की मृत्यु हो गई और 40 से अधिक घायल हो गए। इससे पहले, 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में हुई भगदड़ में 12 लोग मारे गए थे। 2016 में केरल के पुत्तिंगल देवी मंदिर में एक बड़े हादसे में 106 लोगों की मौत हुई और 383 घायल हुए। इसी प्रकार, 2013 में रतनगढ़ माता मंदिर, मध्य प्रदेश में हुई भगदड़ में 115 श्रद्धालु मारे गए और 110 से अधिक घायल हो गए। 2016 में उज्जैन सिंहस्थ कुम्भ मेला और 2008 में जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर में भी ऐसी घटनाएं हुईं। हाथरस के बालाजी मंदिर में भी 2017 में भगदड़ की एक घटना हुई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए। यह घटना प्रशासन और मंदिर प्रबंधन की लापरवाही का परिणाम थी, जहां भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए थे। ऐसी घटनाएं स्पष्ट रूप से यह दर्शाती हैं कि भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में सुधार की आवश्यकता है।पत्र सूचना कार्यालय भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के अनुमानों के अनुसार महाकुम्भ 2025 में लगभग 45 करोड़ स्नानार्थियों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे महाआयोजन में इतनी अधिक भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ा चुनौतीपूर्ण कार्य है। तिरुपति और अन्य घटनाओं से सीखे गए सबक का उपयोग इस आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है। सबसे पहले, प्रशासन को एक समग्र भीड़ प्रबंधन योजना तैयार करनी चाहिए। भीड़ के प्रवाह का विस्तृत आकलन और उन्नत तकनीकों जैसे एआई-आधारित निगरानी और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग भीड़ नियंत्रण में सहायक हो सकता है।अस्थायी पुलों का निर्माण, चौड़े मार्गों की व्यवस्था, और आपातकालीन वाहनों के लिए समर्पित लेन का निर्माण जैसी अवसंरचना सुधार भीड़ प्रबंधन में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, एक मजबूत संचार प्रणाली का होना भी अत्यंत आवश्यक है। पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिए जा सकते हैं। मोबाइल ऐप, एसएमएस और सोशल मीडिया का उपयोग करके बहुभाषी संदेश प्रसारित किए जा सकते हैं। सफल आयोजन के लिए सरकारी निकायों, मंदिर प्रबंधन, स्थानीय पुलिस और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। स्वयंसेवकों को भीड़ मनोविज्ञान और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से मदद कर सकें। श्रद्धालु अक्सर भीड़भाड़ को आध्यात्मिक अनुभव का हिस्सा मानते हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने में हिचकिचाते हैं। इस मानसिकता को बदलने के लिए जागरूकता अभियानों की आवश्यकता है, जो यह समझाएं कि सामूहिक सुरक्षा व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर निर्भर करती है। इस बात को समझाना जरूरी है कि थोड़ी सी सतर्कता और अनुशासन अनगिनत जानों को बचा सकता है। महाकुंभ 2025, अपने पैमाने के कारण, सुरक्षा और समावेशिता के लिए एक वैश्विक मानक स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। अगर हम तिरुपति त्रासदी और अन्य घटनाओं से सबक लेकर नवाचार को अपनाएं, तो हम न केवल मानव जीवन की रक्षा कर सकते हैं बल्कि धार्मिक आयोजनों की गरिमा और महत्व को भी बनाए रख सकते हैं। धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य आध्यात्मिकता और शांति का अनुभव करना है।

# ट्रम्प की ताजपोशी के समारोह के न्यौते का इंतजार

अमेरिका के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के विदेशी मेहमानों की अंतिम सूची का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है और संभव है कि भारत के प्रधानमंत्री को भी इस समारोह में आमंत्रित किया जाए, लेकिन अमेरिका के दो प्रमुख अखबार ''वाशिंगटन



पोस्ट'' और ''न्यूर्याक टाइम्स'' में इस मुद्दे को लेकर जो विश्लेषणात्मक टिप्पणियां आई हैं। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रम्प का शपथ ग्रहण समारोह, जो 20 जनवरी, 2025 को आयोजित होने वाला है, दुनिया भर के नेताओं और मीडिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इस समारोह में शामिल होने के लिए कौन से विदेशी नेता आमंत्रित होंगे, यह एक बड़ा सवाल बन चुका है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कई विदेशी नेताओं को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा चुका है। हालांकि, अभी तक किसी भी आधिकारिक स्रोत से इस बारे में पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी 7 जनवरी को एक बयान जारी करते हुए कहा कि, यदि कुछ नया होता है तो वह मीडिया को किसी भी नई जानकारी से अवगत कराएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के विदेशी मेहमानों की अंतिम सूची का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है और संभव है कि भारत के प्रधानमंत्री को भी इस समारोह में आमंत्रित किया जाए, लेकिन अमेरिका के दो प्रमुख अखबार ''वाशिंगटन पोस्ट'' और ''न्यूर्याक टाइम्स'' में इस मुद्दे को लेकर जो विश्लेषणात्मक टिप्पणियां आई हैं। उनके आलोक में भारतीय प्रधानमंत्री को निमंत्रण की संभावनाएं कम लग रही है। दोनों अखबारों ने यह सवाल उठाया कि क्या इस संबंध की गति में कोई रुकावट आ रही है या अमेरिकी नेतृत्व ने भारतीय प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने का निर्णय राजनीतिक कारणों से लिया है। ठवाशिंगटन पोस्टठ ने भारत की विदेश नीति में आ रही नई दिशा पर भी सवाल उठाए हैं। इन मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि इसके पीछे कई कारक हो सकते हैं, जिनमें मानवाधिकार, धार्मिक असहिष्णुता और भारत की आंतरिक राजनीति शामिल हैं। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि भारत और अमेरिका के रिश्तों में कोई बड़ी दरार आ जाएगी।यह घटनाक्रम दोनों देशों के बीच भविष्य में किस तरह के संबंध बनेंगे, इसे लेकर कई सवाल छोड़ जाता है। हालांकि, मोदी ने ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलीवन से मुलाकात की थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत-अमेरिका संबंधों में रणनीतिक साझेदारी मजबूत हो रही है। लेकिन फिर भी, प्रधानमंत्री मोदी का इस समारोह में भाग लेने के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि हम भारतीय नेताओं के पिछले अनुभवों पर नजर डालें, तो कुछ अवसरों पर उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था, जबकि कुछ अवसरों पर यह आमंत्रण नहीं दिया गया। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, को 1953 में अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था। यह भारतीय-अमेरिकी कूटनीतिक रिश्तों की शुरुआत का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। हालांकि, नेहरू ने उस समारोह में भाग नहीं लिया। इसके बाद, 1971 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को रिचर्ड निक्सन के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के साथ चल रहे युद्ध के कारण इस आयोजन में भाग लेने से इंकार कर दिया। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय नेताओं का अमेरिका के शपथ ग्रहण समारोहों में शामिल होना केवल कूटनीतिक संबंधों पर निर्भर नहीं होता, बल्कि घरेलू राजनीतिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्थितियों पर भी आधारित होता है। इसके बाद, 1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, और उन्होंने इस अवसर पर भाग लिया। यह समय था जब भारत और अमेरिका के रिश्तों में सुधार देखा जा रहा था और दोनों देशों के बीच नई शुरुआत हो रही थी। इसके बाद, 2001 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, और उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि भारत और अमेरिका के रिश्तों में नई गर्मजोशी थी और दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे थे।इसके बाद, 2009 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, और उन्होंने इसमें भाग लिया। इस दौरान भारतीय-अमेरिकी संबंधों में और भी अधिक मजबूती आई थी। मनमोहन सिंह ने इस मौके पर अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ किया।हालांकि, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 2013 में ओबामा के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था, लेकिन वह इसे अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण नहीं अदा कर पाए। हालांकि, मोदी ने 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया, जब वे भारत के प्रधानमंत्री बन चुके थे। इस अवसर पर मोदी और ट्रंप के बीच एक मजबूत व्यक्तिगत और कूटनीतिक संबंध स्थापित हुआ, जो दोनों देशों के रिश्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ।अब बात करते हैं 2025 के शपथ ग्रहण समारोह की। लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भारतीय प्रधानमंत्री को इस समारोह में आमंत्रित किया जाएगा या नहीं। इसके कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहला कारण कूटनीतिक प्रोटोकॉल हो सकता है।आमतौर पर, शपथ ग्रहण समारोहों में केवल उन देशों के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है, जिनके साथ उस समय अमेरिकी प्रशासन के गहरे कूटनीतिक संबंध होते हैं। जबकि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, लेकिन यह भी हो सकता है कि अमेरिकी प्रशासन अपने प्राथमिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए सीमित संख्या में विदेशी नेताओं को आमंत्रित करें।दूसरा कारण है आमंत्रित किए जाने वाले नेताओं की संख्या। अमेरिकी शपथ ग्रहण समारोह में आमतौर पर बहुत अधिक विदेशी नेता नहीं बुलाए जाते हैं। यह आयोजन खासतौर पर अमेरिकी राजनीति और देश की आंतरिक प्रक्रियाओं पर केंद्रित होता है। इसमें विदेश नीति के बड़े चेहरे आमतौर पर शामिल नहीं होते, और इसका उद्देश्य अमेरिका के आंतरिक राजनीति और लोकतंत्र के उत्सव को मनाना होता है। तीसरा कारण समय और प्राथमिकताएं हो सकते हैं।शपथ ग्रहण समारोह के समय, भारतीय प्रधानमंत्री के पास अन्य कूटनीतिक या घरेलू कार्य हो सकते हैं, जो उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने से रोक सकते हैं। इसके अलावा, यह भी संभव है कि प्रधानमंत्री मोदी अन्य द्विपक्षीय बैठकें या महत्वपूर्ण विदेश यात्राएं करने का चुनाव करें, जो उनके कूटनीतिक एजेंडे के लिए अधिक महत्वपूर्ण हों। अंततः, यदि भारतीय प्रधानमंत्री को 2025 के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित नहीं किया जाता, तो भी यह भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती को प्रभावित नहीं करेगा। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी पहले से ही मजबूत है, और आगे भी यह कायम रहेगी।

# पक्षी ठण्ड के मौसम से कैसे बचते हैं

सर्दियों में प्रकृति में बहुत बड़े बदलाव होते हैं और पक्षी भी मौसम के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। इन पक्षियों में ग्रेटर कॉर्मोरेंट (फैलाक्रोकोरैक्स कार्बो) अथवा जल काग अद्भुत रूप से सर्दियों में अपने व्यवहार और जीवनशैली को परिवर्तित करते हैं। सर्दियों में प्रकृति में बहुत बड़े बदलाव होते हैं और पक्षी भी मौसम के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। इन पक्षियों में ग्रेटर कॉर्मोरेंट (फैलाक्रोकोरैक्स कार्बो) अथवा जल



काग अद्भुत रूप से सर्दियों में अपने व्यवहार और जीवनशैली को परिवर्तित करते हैं। उल्लेखनीय है कि कॉर्मोरेंट विशेष रूप से अपने मछली पकड़ने के कौशल के लिए जाने जाते हैं। कॉर्मोरेंट सर्दियों के दौरान प्रायः प्रवास नहीं करते हैं और किसी मछलियों से भरपूर जल निकाय के आस पास अपना अड्डा बना लेते हैं।कॉर्मोरेंट को सर्दियों में मछलियों को पकड़ने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ठण्ड में मछलियां गहरे पानी में चली जाती हैं, इस कारण कॉर्मोरेंट को अपने शिकार को पकड़ने के लिए काफी गहराई तक और अधिक समय तक गोता लगाना पड़ता है। कॉर्मोरेंट बेहतरीन गोताखोर होते हैं और पानी में 10 मीटर गहरे तक गोता लगाकर मछलियों को पकड़ लेते हैं। कॉर्मोरेंट मौसम के अनुरूप अपने आहार को भी संतुलित कर सकते हैं और ठण्ड के दिनों में छोटी मछलियाँ और अन्य जलीय जीवों का सेवन कर जीवित रहते हैं। ठण्ड के दौरान कॉर्मोरेंट अक्सर एक बड़े समूह में रहते हैं जिससे वे सुरक्षित महसूस करते हैं। जल निकायों के पास स्थित उनके बसेरों को वे पक्षियों की अन्य प्रजातियों के साथ भी साझा करते हैं। सर्दियों में कॉर्मोरेंट जब एक झुण्ड में आकाश में उड़ते हैं तो एक अद्भुत दृश्य पैदा हो जाता है। ठंडी रातों में समूह में रहने के कारण वे गर्म बने रहते हैं और अपनी उर्जा को बचाए रखते हैं।कॉर्मोरेंट के पंख अन्य जलीय पक्षियों की तुलना में कम जलरोधक होते हैं, जो गोता लगाने में सहायता करते हैं। हालांकि, इस विशेषता के कारण उन्हें सर्दियों में भी अपने पंखों को बार-बार सुखाना पड़ता है। गुनगुनी धूप वाले दिनों में, कॉर्मोरेंट को अपने पंख फैलाकर बैठे हुए, ठंडी हवा में अपने पंख सुखाते हुए देखना आम बात है। सर्दियों में कॉर्मोरेंट को कम भोजन पर संतुष्ट रहना पड़ता है क्योंकि शिकार में पर्याप्त मछलियां उपलब्ध नहीं होती हैं। कड़ाके की ठण्ड में कॉर्मोरेंट अपनी अनावश्यक गतिविधियों को सीमित कर लेते हैं और अपनी उर्जा का संरक्षण करते हैं। वे अपना अधिकतर समय आराम करने में बिताते हैं और बसेरे में रहते हैं। उनकी चयापचय दर (सींूदत्मर्ूा) उन्हें कठोर परिस्थितियों में जीवित रहने में मदद करती है। सर्दियों में ग्रेटर कॉर्मोरेंट्स प्रजनन की भी तैयारी में लग जाते हैं। नर अपने चमकदार काले पंख दिखाकर और पंखों को लम्बा फैलाकर प्रणय प्रदर्शन करते हैं और मादाओं को आकर्षित करते हैं। इन दिनों में वे जल निकायों के इर्द-गिर्द घोंसला बनाने में भी मशगूल हो जाते हैं। घोसला बनाने के काम आने वाली सामग्रियों जैसे टहनियों और पानी के शैवाल को एकत्रित करने में नर और मादा कॉर्मोरेंट्स व्यस्त हो जाते हैं। कॉर्मोरेंट्स मानव बस्तियों के आस-पास ही रहते हैं और सुरक्षित जल निकायों के करीब अपना घर बनाते हैं। लेकिन इस कारण उनका मछुआरों से भी संघर्ष होता रहता है, जिन्हें यह लगता है कि कॉर्मोरेंट्स मछलियों को खा जायेंगे या तितर-बितर कर देंगे। कॉर्मोरेंट्स को आकाश में उड़ते देखना पक्षी और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक रम्य अनुभव होता है। बढती आबादी और अंधाधुंध शहरीकरण के कारण जलाशयों की संख्या कम होती जा रही है। संसाधनों की कमी मानव-वन्यजीव संघर्ष का कारण बनती है। ग्रेटर कॉर्मोरेंट की आबादी को संरक्षित करने के लिए जल निकायों को सुरक्षित करना आवश्यक है। इस दिशा में शासन और प्रकृति प्रेमियों को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

# इतिहास में एक काला अध्याय था तैमूर लंग, दिल्ली में बना दी थी कटे सिरों की मीनार

अपनी शारीरिक दुर्बलता के बावजूद इस क्रूर शासक ने अपनी बुद्धिमत्ता, कूटनीति और सैन्य कौशल के दम पर मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और यूरोप के कुछ



हिस्सों में अपने विशाल साम्राज्य की स्थापना की। बात साल 1363 की है। तैमूर नाम का एक शख्स भेड़ के झूंड को लूटने की कोशिश कर रहा था। इस लड़ाई में उसके दाहिने पैर और दाहिने हाथ में तीर लग जाते हैं। इस चोट के कारण वह अपाहिज हो गया। अपाहिज होने की वजह से लोग उसे तैमूर ए लंग (लंगड़ा तैमूर) कहने लगे। हम बात कर रहे हैं 1336-1405 के बीच हुए क्रूर शासक तैमूर ए लंग की। अपनी शारीरिक दुर्बलता के बावजूद इस क्रूर शासक ने अपनी बुद्धिमत्ता, कूटनीति और सैन्य कौशल के दम पर मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और यूरोप के कुछ हिस्सों में अपने विशाल साम्राज्य की स्थापना की। अपनी क्रूरता के बल पर इसने अपनी सत्ता को मजबूत किया। तैमूर लंग का जन्म 1336 में समरकंद में हुआ था। यह इलाका अब उज्बेकिस्तान के नाम से जाना जाता है। तैमूर लंग एक बेहद ही साधारण परिवार में जन्मा था। वह एक मामूली चोर था। तैमूर उस समय मध्य एशिया के मैदानों और पहाड़ी इलाकों में भेड़ों की चोरी करता था। तैमूर दिमाग में काफी तेज और कुशल रणनीतिज्ञ था। वह जब भी किसी दूसरी जनजाति या गांव पर हमला करता और वहां से जो कुछ भी जीतता उसे अपने लोगों में बांट देता। इससे हुआ यह कि इसने अपने समुदाय के लोगों का भरोसा जीत लिया। इस कारण कई लोग इसके साथ जुड़ गए। देखते ही देखते तैमूर लंग ने अपनी कुशलता और तेज तर्रार दिमाग से एक बड़ी सेना बना ली। इसके बाद तैमूर बड़े स्तर पर सैन्य अभियानों की शुरुआत करता है। सबसे पहले उसने पर्सिया जीता, फिर ईराक, खुरासान, कुर्दिस्तान, मामलुक, इजिप्ट। इन सब के बाद इसने भारत पर नजर गड़ाई, उस समय नसीरुद्दीन महमूद का शासन भारत में हुआ करता था। नसीरुद्दीन महमूद तुगलक वंश के शासक थे। हालांकि, फिरोजशाह तुगलत की मृत्यु के बाद दिल्ली सल्तनत में राजनीतिक अस्थिरता आ गई थी। फिरोजशाह तुगलक की मृत्यु के 10 सालों के भीतर दिल्ली में पांच बादशाहों, उनके बेटे और उनके पोतों ने राज किया था। इससे दिल्ली की राजनीतिक शक्ति काफी कमोजर हो गई थी। यह वह समय था जब कोई भी बाहरी आक्रांता आसानी से दिल्ली पर आक्रमण कर सकता था, उस समय भारत अपने अकूत खजाने, संपत्ति और संसाधनों के लिए जाना जाता था। तैमूर लंग की नजर इसी पर थी। इसी बीच साल 1398 में तैमूर लंग ने दिल्ली पर आक्रमण कर दिया। कहा जाता है कि दिल्ली पर आक्रमण करने के लिए समरकंद में करीब 90 हजार सैनिक इकट्ठे हुए थे। इतनी बड़ी मात्रा में सैनिकों के इकट्ठा होने से पूरे शहर में धूल ही धूल हो गई थी। समरकंद से दिल्ली तक पहुंचना कोई आसान काम नहीं था। रास्ते में हिंदुकुश पहाड़ियों की दुर्गम चढ़ाई थी। यही नहीं रास्ते में कई नदियां, पथरीले रास्ते और रेगिस्तान भी थे, जहां से होकर उन्हें गुजरना था। इतनी बड़ी सेना और उसके दस्तों के साथ यह विषम सफर करना कोई आसान काम नहीं था। हालांकि, अपने 90 हजार सैनिकों और दस्तों के साथ तैमूर ने समरकंद से दिल्ली पर चढ़ाई कर दी। रास्ता आसान नहीं था, हिंदुकुश की पहाड़ियों की चढ़ाई करते समय उसके कई घोड़ों ने रास्तों में ही जान गवा दी। तैमूर लंग ने इस दौरान रास्ते में करीब 1 लाख हिंदू लोगों को बंदी बनाया। दिल्ली पर आक्रमण करने से पहले उसने अपना शिविर लोनी में लगाया। तैमूर की सेना के साथ करीब 1 लाख हिंदू बंदी भी थे। तैमूर को डर था कि अगर वह मल्लू खां के सैनिकों पर हमला करता है तो उसके साथ चल रहे 1 लाख हिंदू कैदी उनका हौसला बढ़ाएंगे या उसके खिलाफ विद्रोह कर सकते हैं। इस डर से तैमूर ने इन सभी बंदियों को मारने का आदेश दे दिया। इसके बाद बड़ी क्रूरता के साथ करीब 1 लाख हिंदुओं को मौत के घाट उतार दिया गया। डेविड प्राइस ने अपनी किताब में इस बात का जिक्र किया है कि मानवता के इतिहास में इस तरह की क्रूरता का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। इसके बाद तैमूर की सेना दिल्ली पर आक्रमण कर देती है। तैमूर के आक्रमण को रोकने के लिए दिल्ली के 10 हजार घुड़सवार, करीब 40 हजार सैनिक, 120 हाथी तैयार थे। अंततः युद्ध में तैमूर लंग की सेना जीत जाती है। इस जीत के बाद उसकी क्रूर सेना ने पूरे शहर में भीषण नरसंहार किया। सड़कों पर लाशों के ढेर लग गए थे, घरों में खून की नदियां बह रही थीं। इस युद्ध में तैमूर की सेना ने हजारों लोगों को मारकर शहरों को लूटा। क्या इंसान, क्या बच्चे क्या बूढ़े किसी को नहीं छोड़ा गया। इस आक्रमण के चलते भारी तबाही मची और पूरे शहर की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। इस दौरान तैमूर खूब सारी संपत्ति, खजाने और संसाधनों की लूट करके समरकंद वापस चला गया। तैमूर लंग का दिल्ली पर आक्रमणा भरतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण और दुखद अध्याय है। कहा जाता है कि इस हमले से उबरने में दिल्ली को करीब 100 साल लग गए। कई देशों पर जीत हासिल करने के बाद तैमूर लंग चीन पर आक्रमण करने की योजना बनाई। हालांकि, इस अभियान को पूरा करते समय वह काफी बीमार हो गया। साल 1405 में इसी बीमारी की वजह से उसकी मृत्यु भी हुई। मृत्यु के बाद तैमूर लंग को समरकंद में दफनाया गया। इस तरह इस क्रूर शासक का अंत हुआ।

# विजयलक्ष्मी एशिया की प्रथम सिनेमाटोग्राफर

बी. आर. विजयलक्ष्मी ने सिनेमाटोग्राफी की दुनिया में क्रांति ला दी, लिमका 'बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने तो उन्हें और ऊंचा उठा दिया। इस रिकॉर्ड में उन्हें पूरे एशिया की प्रथम महिला सिनेमाटोग्राफर घोषित कर दिया। वे आज भी याद करती हैं, भाग्यराज ने कहा था, अपनी पहली फिल्म याद रखो, यह अच्छा अनुभव होना चाहिए।' और उनका यह अनुभव




महिला सिनेमाटोग्राफर घोषित कर दिया। वे आज भी याद करती हैं, भाग्यराज ने कहा था, अपनी पहली फिल्म याद रखो, यह अच्छा अनुभव होना चाहिए।' और उनका यह अनुभव बहुत अच्छा रहा। के. भाग्यराज की तमिल फिल्म 'चिन्ना वीड' के क्रेडिट से उन्हें नाम मिला, खास पद मिला। इसी क्रेडिट में लिखा गया है, 'प्रथम तमिल महिला, जिसने स्त्री-संसार को गर्वित कर दिया।' प्रथम फिल्मांकन से ही वे अर्थात बी. आर. विजयलक्ष्मी ने सिनेमाटोग्राफी की दुनिया में क्रांति ला दी क्योंकि तब तक सिनेमाटोग्राफी का क्षेत्र पुरुषों का अधिकार क्षेत्र था। पर बात यहीं नहीं रुकी। कुछ दिन पश्चात लिमका 'बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने तो उन्हें और ऊंचा उठा दिया।इस रिकॉर्ड में उन्हें पूरे एशिया की प्रथम बहुत अच्छा रहा। मात्र तमिल नहीं वरन पूरे एशिया की प्रथम महिला सिनेमाटोग्राफर बी. आर. विजयलक्ष्मी के पिता प्रसिद्ध सिने-निर्देशक तथा प्रड्यूसर बी. आर. पैन्थुलु थे। पर पिता की छत्रछाया में उन्हें सीखने-काम कर करने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ। जब वे कॉलेज में आई ही थीं, 16 साल की थीं, 1974 में उनके पिता गुजर गए। पिता के गुजरने के बाद विजयलक्ष्मी तथा उनके भाई बी. आर. रविशंकर ने फिल्म लाइन में आना तय किया।आईआईटी से ग्रेजुएशन करने के बाद भाई कन्नड सिनेमा की ओर मुड़ गए और विजयलक्ष्मी ने होम साइंस में पढ़ाई करने के बाद इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर फिल्म में प्रवेश किया। उस समय वे मात्र बीस वर्ष की थीं।

# स्पोर्ट्स

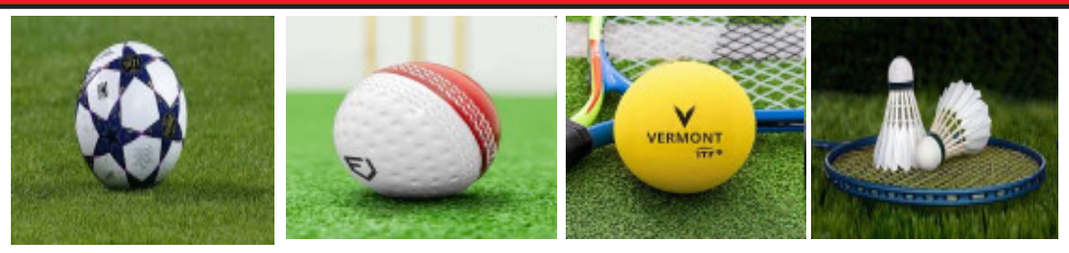

## बांग्लादेश की टीम को झटका, इस दिग्गज ने दोबारा लिया संन्यास, टीम में वापसी की चल रही थी बात

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** तमीम ने कहा कि बीसीबी को उनके जवाब का इंतजार करना अनावश्यक था क्योंकि उन्होंने काफी समय पहले खुद को केंद्रीय अनुबंध से हटा लिया था तमीम इकबाल ने दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। इससे पहले जुलाई 2023 में एक भावनात्मक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने संन्यास ले लिया था। तमीम ने 2007 में बांग्लादेश के लिए डेब्यू किया था और 70 टेस्ट, 243 वनडे और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के हस्तक्षेप के बाद 2023 में तमीम ने अपने रिटायरमेंट के फैसले को 24 घंटे के भीतर पलट दिया था।बांग्लादेश के इस पूर्व कप्तान ने बुधवार को सिलहट में बांग्लादेश के चयनकर्ताओं को अपने फैसले से अवगत कराया। गाजी अशरफ हुसैन की अगुआई वाले पैनल ने उनसे आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय टीम में फिर से शामिल होने का आग्रह किया था, लेकिन तमीम संन्यास लेने पर दृढ़ रहे। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो सहित कुछ खिलाड़ियों ने उनसे पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्होंने संन्यास की पुष्टि करने से पहले एक दिन का और समय लिया और फिर अपना निर्णय बता दिया। तमीम ने फेसबुक पर लिखा, 'मैं लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हूं। यह दूरी बनी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मेरा अध्याय खत्म हो गया है। मैं लंबे समय से इस बारे में सोच रहा था। अब जबकि चैंपियंस ट्रॉफी जैसी बड़ी प्रतियोगिता आ रही है, मैं किसी के ध्यान में नहीं आना चाहता, जिससे टीम अपना ध्यान खो सकती है। बेशक, मैं नहीं चाहता था कि ऐसा हो।' उन्होंने कहा, 'कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने ईमानदारी से मुझे टीम में वापसी के लिए कहा। चयन समिति से भी चर्चा हुई। मैं उनका शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे टीम में अभी भी शामिल करने की इच्छा जताई है। हालांकि, मैंने अपने दिल की सुनी है।' तमीम ने कहा कि बीसीबी को उनके जवाब का इंतजार करना अनावश्यक था क्योंकि उन्होंने काफी समय पहले खुद को केंद्रीय अनुबंध से हटा लिया था। तमीम ने कहा, 'मैंने काफी समय पहले खुद को बीसीबी के केंद्रीय अनुबंध से हटा लिया था क्योंकि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी नहीं करना चाहता था।कई लोगों ने कहा है कि मैंने मामले को लटका दिया है। कोई उस क्रिकेटर के बारे में चर्चा क्यों करेगा जो अब बीसीबी की अनुबंधित सूची में नहीं है? मैंने स्वेच्छा से एक साल से अधिक समय पहले अपनी जगह छोड़ दी थी।' उन्होंने कहा, 'इसके बाद भी अनावश्यक चर्चा हो रही है। संन्यास लेने या खेलना जारी रखने का निर्णय एक क्रिकेटर या किसी पेशेवर खिलाड़ी का अधिकार है। मैंने खुद को समय दिया है। अब मुझे लगता है कि समय आ गया है।' चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीमों की घोषणा करने की समय सीमा 12 जनवरी है।

## बीसीसीआई ने उच्च न्यायालय को दो सप्ताह में पुलिस को बकाया भुगतान का आश्वासन दिया

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** गलगली ने महाराष्ट्र सरकार के जून 2023 के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), टी20 और अन्य क्रिकेट मुकाबलों को प्रदान की जाने वाली पुलिस सुरक्षा के लिए निर्धारित दर को 2011 से पूर्वव्यापी प्रभाव से कम कर दिया गया था।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को बॉम्बे उच्च न्यायालय को आश्वासन दिया कि मैच के दौरान प्रदान की गई सुरक्षा के लिए वह मुंबई, पिंपरी चिंचवड़ और नवी मुंबई पुलिस को दो सप्ताह में बकाया भुगतान कर देगा। क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि उसे पिंपरी चिंचवड़ पुलिस को 1.7 करोड़ रुपये, नवी मुंबई पुलिस को 3.3 करोड़ रुपये और मुंबई पुलिस को 1.03 करोड़ रुपये देने हैं।बीसीसीआई ने कार्यकर्ता अनिल गलगली द्वारा दायर याचिका के जवाब में प्रस्तुत हलफनामे में कहा, 'बीसीसीआई दो सप्ताह के अंदर इन राशियों का भुगतान करने का वचन देता है।' गलगली ने महाराष्ट्र सरकार के जून 2023 के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), टी20 और अन्य क्रिकेट मुकाबलों को प्रदान की जाने वाली पुलिस सुरक्षा के लिए निर्धारित दर को 2011 से पूर्वव्यापी प्रभाव से कम कर दिया गया था। याचिका में कार्यकर्ता ने 2011 से पूर्वव्यापी प्रभाव वाले परिपत्र पर आपत्ति जताई क्योंकि तब लंबित बकाया राशि भी कम हो जाएगी। अपने हलफनामे में बीसीसीआई ने कहा कि वह अधिकारियों को देय सभी भुगतान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें कहा गया है, 'बीसीसीआई का पुलिस को बकाया राशि से वंचित करने का कोई इरादा नहीं है और संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ खातों के समाधान के 90 दिन के भीतर विवादित राशि का भुगतान करने का वचन देता है।

## आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन से हर मैच में शतक जड़ सकते हैं

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ऋषभ पंत को अभी तक भी अपनी पूरी क्षमता का अहसास नहीं हुआ है। उसके पास सभी तरह के शॉट हैं - रिवर्स स्वीप, स्लॉग स्वीप, सब कुछ - लेकिन समस्या यह है कि ये सभी शॉट बहुत जोखिम वाले हैं। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत अपने आक्रामक और रक्षात्मक खेल के बीच संतुलन बनाने में सफल रहते हैं तो वह प्रत्येक मैच में शतक लगा सकते हैं। अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की पंत की क्षमता की सराहना करते हुए अश्विन ने कहा कि उनके कई शॉट बहुत जोखिम वाले होते हैं जिसके कारण वह अपनी क्षमता का सही आकलन नहीं कर पाते हैं।पंत ने हाल ही में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें मैच की पहली पारी में अपने रक्षात्मक खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए 40 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उन्होंने भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हमें उसे ठीक से बताना होगा कि अगर उसे ठोस बल्लेबाजी करनी है या किसी इरादे के साथ बल्लेबाजी करनी है तो उसे क्या करना है। उसने बहुत सारे रन नहीं बनाए हैं, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उसने रन नहीं बनाए हों। उसके पास अभी बहुत समय है। उन्होंने आगे कहा, ऋषभ पंत को अभी तक भी अपनी पूरी क्षमता का अहसास नहीं हुआ है। उसके पास सभी तरह के शॉट हैं - रिवर्स स्वीप, स्लॉग स्वीप, सब कुछ - लेकिन समस्या यह है कि ये सभी शॉट बहुत जोखिम वाले हैं।

## 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी में माहिर वरुण आरोन ने किया संन्यास का एलान

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** वरुण ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में टेस्ट डेब्यू किया था और भारत के लिए खेले कुल नौ टेस्ट मैचों में 18 विकेट झटके। इस दौरान उनकी इकोनॉमी 4.78 की रही। वहीं, टेस्ट में डेब्यू से ठीक एक महीने पहले उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में खेलने का मौका मिला। वरुण ने नौ वनडे मैचों में 11 विकेट लिए। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने शुक्रवार को क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी अपने इंस्टा हैंडल के जरिए दी। उन्होंने कहा- तेज गेंदबाजी मेरा पहला प्यार रहा है और हमेशा मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहेगी।35 वर्षीय आरोन ने 2023/24 के घरेलू क्रिकेट सत्र के अंत में लाल गेंद प्रारूप से संन्यास का एलान कर दिया था। अब उन्होंने सीमित ओवर क्रिकेट को भी अलविदा कहने का फैसला लिया है। वरुण ने अपने भावुक पोस्ट में कहा- पिछले 20 वर्षों से, मैं तेज गेंदबाजी के रोमांच में जीता, सांस लेता और पनपता रहा हूं। आज, अपार कृतज्ञता के साथ, मैं आधिकारिक तौर पर प्रतिनिधि क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। यह यात्रा ईश्वर, मेरे परिवार, दोस्तों, टीम के साथियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और प्रशंसकों के बिना संभव नहीं होती। वरुण ने 2010-11 विजय हजारे ट्रॉफी में 150 किमी/घंटा से ज्यादा की स्पीड से गेंद फेंककर सनसनी मचाई थी। हालांकि, चोटों से जूझने के कारण वह टीम में अपनी जगह स्थापित नहीं कर सके। आरोन ने 88 लिस्ट ए मैचों में 5.44 के इकोनॉमी रेट से 141 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा 95 टी20 मैचों में वरुण ने 93 विकेट चटकाए। वरुण ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में टेस्ट डेब्यू किया था और भारत के लिए खेले कुल नौ टेस्ट मैचों में 18 विकेट झटके। इस दौरान उनकी इकोनॉमी 4.78 की रही। वहीं, टेस्ट में डेब्यू से ठीक एक महीने पहले उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में खेलने का मौका मिला।

## इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने गंभीर पर लगाए आरोप बोले - उन्होंने मेरे परिवार के बारे में गलत बात की

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** तिवारी ने इससे पहले भी गंभीर पर निशाना साधा था और उन्हें पाखंडी कहा था। हालांकि, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान डेब्यू करने वाले हर्षित राणा गंभीर के समर्थन में उतरे थे। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज मनोज तिवारी ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर एक बार फिर निशाना साधा है और उन पर आरोप लगाए हैं। गंभीर और तिवारी अतीत में साथ खेले हैं। गंभीर और तिवारी आईपीएल के साथ-साथ दिल्ली की घरेलू टीम में भी खेल चुके हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को मिली हार के बाद से गंभीर कुछ क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसकों के निशाने पर हैं। तिवारी ने इससे पहले भी गंभीर पर निशाना साधा था और उन्हें पाखंडी कहा था। हालांकि, बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान डेब्यू करने वाले हर्षित राणा और नीतीश राणा गंभीर के समर्थन में आते हैं, लेकिन वे मुझे नहीं जानते हैं, मैं सिर्फ तथ्य पर बात करता हूं। तिवारी ने गंभीर के साथ अपने पुराने रिश्तों पर भी बात की और कहा कि इस पूर्व बल्लेबाज ने उनके परिवार के लिए अनुचित बातें कही थी और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के लिए भी अपशब्द कहे थे। तिवारी ने कहा, दिल्ली में रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान जब गंभीर मुझसे लड़े तो सभी ने उनके एक-एक शब्द सुने थे। चाहे उन्होंने सौरव गांगुली के बारे में बुरा बोला या मेरे परिवार को गाली दी, कुछ लोगों ने फिर भी उनका बचाव किया। खिलाड़ियों को प्लेइंग-11 में शामिल करने का पैमाना सही नहीं है। मनोज ने जहां गंभीर की जमकर आलोचना की, वहीं केकेआर में गंभीर के साथ लंबे समय तक रहे चुके नीतीश राणा ने भारतीय मुख्य कोच का समर्थन किया था। नीतीश का कहना है कि आलोचना तथ्य के आधार पर होनी चाहिए, निजी असुरक्षा के तहत नहीं। नीतीश ने एक्स पर लिखा था, आलोचना निजी असुरक्षा नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। गौती भइया जैसा निःस्वार्थ खिलाड़ी मैंने नहीं देखा है। वह जिस तरह हमेशा अपने कंधों पर जिम्मेदारी लेते हैं, ऐसा करते मैंने किसी को नहीं देखा। प्रदर्शन को किसी पीआर की जरूरत नहीं होती। ट्रॉफी सब कह जाती है।

## पीसीबी ने पाकिस्तान के बाहर चैंपियंस ट्रॉफी होने की खबरों को खारिज किया, पुनर्निर्माण कार्य पर दी जानकारी

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होनी है और इसके मुकाबले रावलपिंडी, लाहौर और कराची में होने हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं जिसमें दिख रहा है कि इन तीनों स्टेडियमों में अबतक पुनर्निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है जिसमें यह दावा किया जा रहा है कि अगले महीने होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान के बजाए किसी अन्य देश में कराई जाएगी। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में ऐसी खबरें चल रही हैं कि तीनों स्टेडियम में पुनर्निर्माण कार्य अबतक पूरा नहीं होने के कारण इस टूर्नामेंट का आयोजन दुबई में हो सकता है। मालूम हो कि चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल के तहत कराई जाएगी जिसमें भारत के मैच दुबई में होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होनी है और इसके मुकाबले रावलपिंडी, लाहौर और कराची में होने हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं जिसमें दिख रहा है कि इन तीनों स्टेडियमों में अबतक पुनर्निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। बताया यह भी जा रहा है कि आईसीसी की इस मामले पर पूरी नजर है और उसका प्रतिनिधि दल पुनर्निर्माण कार्य का जायजा लेने पहुंचा है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि आईसीसी दल की मौजूदगी इसकी पुष्टि करती है कि टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही खेला जाएगा। उन्होंने कहा, बोर्ड ने करीब 12 अरब रुपये स्टेडियमों के नवीनीकरण पर खर्च किए हैं। हमने स्टेडियम में चल रहे काम के बारे में पहले बयान इसलिए जारी किया क्योंकि मीडिया तथ्यों की जांच किए बिना अफवाह फैला रहा था। पीसीबी सूत्र ने कहा, 'हमने इसलिए बयान जारी किया था कि हमारा मीडिया बिना तथ्यों को जांचे गलत खबर चला रहे हैं। इससे पीसीबी, आईसीसी, सरकार, व्यावसायिक साझेदार और प्रशंसकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है।' अधिकारी ने साथ ही बताया कि स्थानीय पत्रकारों ने बिना मंजूरी के नेशनल स्टेडियम कराची में चल रहे निर्माण कार्य की फोटो ली और नकारात्मक तस्वीर पेश की।

## जिस युवा बल्लेबाज से हुआ था कोहली का विवाद, उसके फैन हुए स्मिथ, तारीफों के बांधे पुल

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** शुक्रवार को स्टीव स्मिथ ने सैम कोंस्टास की तारीफ की। स्मिथ ने कहा- मैंने उन्हें बल्लेबाजी करते देखा है। उसका भविष्य उज्जवल है। भारत पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 से जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया अब श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जिसमें युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास भी खेलते नजर आएंगे। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 16 सदस्यीय स्क्वॉड का हिस्सा बनाया है। अब टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने उनकी तारीफ में कसीदे पढ़े हैं।श्रीलंका के खिलाफ 29 जनवरी से शुरू होने जा रही इस सीरीज के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम का एलान कर दिया है। इसमें स्टीव स्मिथ को कप्तान नियुक्त किया गया है। वह पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम का नेतृत्व करेंगे। शुक्रवार को उन्होंने सैम कोंस्टास की तारीफ की। स्मिथ ने कहा- मैंने उन्हें बल्लेबाजी करते देखा है। उसका भविष्य उज्जवल है। मुकाबला 184 रन से जीता था। दो मैचों की चार पारियों में उन्होंने 28.25 के औसत से 113 रन बनाए। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 60 रनों का रहा। अब फैंस को श्रीलंका के खिलाफ भी उनसे इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद है। कप्तान ने की तारीफ स्मिथ ने फॉक्स स्पोर्ट्स से कहा- एक बल्लेबाज के तौर पर आप एक तरह से खुद से ही सीख सकते हैं। आप जिस तरह से खेलना चाहते हैं, वैसे ही खेलते हैं क्योंकि यह आपका करियर है। वहां से, आप अनुभवों के माध्यम से सीखते हैं। मैंने उसे इस तरह से बल्लेबाजी करते देखा है और मैंने उसे शील्ड गेम में पारंपरिक तरीके से बल्लेबाजी करते हुए देखा है और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।स्मिथ ने आगे कहा- उसके पास टैलेंट है और मुझे लगता है कि जब वह दबाव को झेलना चाहे तो उसके पास क्षमता है। उसके पास (गेंदबाजों पर) बहुत दबाव डालने की क्षमता है।

## इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेलेंगे केएल राहुल चैंपियंस ट्रॉफी से पहले मिल सकता है आराम

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** भारत और इंग्लैंड के बीच 22 जनवरी से पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। इसके बाद दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगी। फिर टीम 19 फरवरी से हाइब्रिड मॉडल के तर्ज पर होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगी। केएल राहुल भले ही इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज का हिस्सा ना रहें, लेकिन वह 50 ओवर के प्रारूप में आठ टीमों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध होंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच 22 जनवरी से पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। इसके बाद दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगी। फिर टीम 19 फरवरी से हाइब्रिड मॉडल के तर्ज पर होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगी। केएल राहुल भले ही इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज का हिस्सा ना रहें, लेकिन वह 50 ओवर के प्रारूप में आठ टीमों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध होंगे। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इन्कार कर दिया था और भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से ब्रेक मांगा है, लेकिन वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया था, लेकिन राहुल उन कुछ बल्लेबाजों में से थे जिन्होंने रन बनाए। वह 10 पारियों में 30.66 की औसत से 276 रन बनाकर भारत के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। सीमित ओवरों की टीम में राहुल को जगह बनाने के लिए ऋषभ पंत और संजू सैमसन जैसे विकेटकीपर बल्लेबाज की चुनौती का सामना करना होगा। केएल राहुल ने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए कर्नाटक के मैचों से भी आराम मांगा था। कर्नाटक टीम को इस सप्ताह क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हिस्सा लेना है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों के घरेलू क्रिकेट में खेलने की इच्छा जताई थी और यह देखना दिलचस्प होगा कि राहुल रणजी ट्रॉफी के अगले दौर के लिए कर्नाटक टीम का हिस्सा होंगे या नहीं।

## पहले वनडे में भारत की आयरलैंड पर छह विकेट से जीत, प्रतिका और तेजल ने जड़े अर्धशतक

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेहमान टीम ने 50 ओवर में सात विकेट पर 238 रन बनाए। उनके लिए कप्तान गेबी लेविस ने 92 और ली पॉल ने 59 रन बनाए। जवाब में भारत ने 34.3 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के लिए प्रतिका रावल ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने 89 रनों की दमदार पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। इसके अलावा तेजल हसबनिस ने 53 रनों की नाबाद पारी खेलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्मृति मंधाना (41 रन) ने वेस्टइंडीज सीरीज की शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तेजी से रन जुटाए। इस दौरान वह वनडे में 4,000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय और कुल 15वीं खिलाड़ी बन गईं। मंधाना ने आयरलैंड की गेंदबाजों के खिलाफ विकेट के दोनों ओर शॉट लगाए और वेस्टइंडीज सीरीज में पदार्पण करने वाली प्रतिका ने उनका अच्छा साथ निभाया। दोनों ने चार मैच में पारी का आगाज करते हुए तीसरी अर्धशतकीय साझेदारी की। हालांकि, आयरलैंड ने पावरप्ले के अंत में मंधाना को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। मंधाना मिड ऑन पर स्लॉग स्वीप को टाइम नहीं कर सकीं और अपने अर्धशतक से नौ रन से चूक गईं। हरलीन देओल (20) और जेमिमा रोड्रिग्स (09) शुरू में अच्छी फॉर्म में लग रही थीं लेकिन आयरलैंड की बायें हाथ की स्पिनर ऐमी मैगुएरे का शिकार हो गईं। इस तरह भारत ने 46 रन में तीन विकेट गंवा दिये। लेकिन मंधाना की आक्रामक पारी से टीम अच्छी स्थिति में बनी रहीं। आयरलैंड की 18 साल की मैगुएरे ने आठ ओवर में 57 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। लेकिन आयरलैंड का कम अनुभव उनके लिए नुकसानदायक रहा क्योंकि टीम ने अतिरिक्त से 21 रन गंवाए। डेलाने उनकी गेंदबाजी इकाई की कमजोर कड़ी रहीं जिन्होंने 24वें ओवर में लगातार दो नो बॉल फेंकी और तेजल ने इन दो मौकों पर लगातार चौके जड़े। इससे पहले आयरलैंड ने भारतीय टीम के लचर फील्डिंग का फायदा उठाते हुए कप्तान गैबी लुईस की 92 रन की शानदार पारी और उनकी लियाह पॉल (59 रन) के साथ 117 रन की साझेदारी से सात विकेट पर 238 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की टीम 14वें ओवर में 56 रन पर चार विकेट गंवाकर मुश्किल में थी लेकिन लुईस (129 गेंद, 15 चौके) और लियाह के बीच पांचवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की मदद से टीम अच्छा स्कोर बनाने में कामयाब रही।

## संक्षिप्त समाचार

### क्षेत्रीय दलों को चंदे में मिले 216 करोड़

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** एडीआर रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), जननायक जनता पार्टी (जजपा), तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने

चंदे में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। झामुमो के चंदे में 3,685 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है, जिसके बाद जजपा में 1,997 प्रतिशत और तेदेपा में 1,795 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 216 करोड़ रुपये से अधिक का चंदा मिलने की जानकारी दी है। सर्वाधिक चंदा पाने वालों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शीर्ष पर रही, जिसने मात्र 47 दानकर्ताओं से 154.03 करोड़ रुपये मिलने की घोषणा की। इसके बाद वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को पांच दाताओं से 16 करोड़ तथा तेदेपा को 11.92 करोड़ रुपये मिले।यह बात एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक विश्लेषण में सामने आई है। एडीआर रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), जननायक जनता पार्टी (जजपा), तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने चंदे में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। झामुमो के चंदे में 3,685 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है, जिसके बाद जजपा में 1,997 प्रतिशत और तेदेपा में 1,795 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

### लद्दाख में चीन को मिल सकेगा माकूल जवाब

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की बैठक के दौरान रणनीतिक बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों पर बातचीत भी की गई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह नया बुनियादी ढांचा चांगथांग उच्च ऊंचाई वाले ठंडे रेगिस्तान वन्यजीव अभयारण्य और काराकोरम नुब्रा श्योक वन्यजीव अभयारण्य में विकसित किया जाएगा केंद्र सरकार की वन्यजीव समिति ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास सैन्य उपयोग के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इसके तहत गोला-बारूद भंडारण, संचार नेटवर्क और अन्य रणनीतिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की बैठक के दौरान इस रणनीतिक बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों पर बातचीत भी की गई। वहीं, रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह नया बुनियादी ढांचा चांगथांग उच्च ऊंचाई वाले ठंडे रेगिस्तान वन्यजीव अभयारण्य और काराकोरम नुब्रा श्योक वन्यजीव अभयारण्य में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गोला-बारूद को तेजी से पहुंचाना और सैनिकों की तैनाती को आसान और तेज बनाना है।

## प्रधानमंत्री मोदी बोले, भारतीय वीजा के लिए कतार में खड़ी होगी दुनिया

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** पीएम मोदी ने कहा, राज्य के प्रमुख के रूप में अमेरिका ने मुझे वीजा देने से इन्कार कर दिया था। मैंने उस दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, एक दिन दुनिया भारतीय वीजा के लिए कतार में खड़ी होगी। मैंने यह बयान 2005 में दिया था। अब,

यह 2025 है।पॉडकास्ट की दुनिया में कदम रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिरोधा के सहसंस्थापक निखिल कामथ के साथ पहले पॉडकास्ट में अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत का वक्त है। पूरी दुनिया हमारी ओर उम्मीद से देख रही है। दुनिया भारतीय वीजा लेने के लिए एक दिन कतार में खड़ी होगी।निखिल कामत ने पूछा कि, दुनियाभर में भारत के प्रति धारणा कैसे बदली है? इस सवाल के जवाब में मोदी ने कहा, राज्य के प्रमुख के रूप में अमेरिका ने मुझे वीजा देने से इन्कार कर दिया था। मैंने उस दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, एक दिन दुनिया भारतीय वीजा के लिए कतार में खड़ी होगी। मैंने यह बयान 2005 में दिया था। अब, यह 2025 है। मैं देख सकता हूं कि यह भारत का वक्त है। पीएम मोदी ने कहा, मैं हाल में कुवैत गया था। मैं एक मजदूर कॉलोनी में गया। वहां एक मजदूर ने मुझसे पूछा कि उसके जिले (भारत में) में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा कब बनेगा। यही आकांक्षा है जो 2047 में भारत को विकसित देश?बनाएगी। पीएम मोदी ने फरवरी, 2002 में गोधरा में ट्रेन में 59 लोगों को जिंदा जलाने की घटना को याद करते हुए कहा, वहां का वह दर्दनाक मंजर...हर ओर फैले चीथड़े...आप उसकी कल्पना कर सकते हैं। मैं भी इन्सान हूं, मुझे भी चीजें महसूस होती हैं। लेकिन मुझे पता था कि मैं जिस पद पर हूं, मुझे अपनी भावनाओं पर काबू रखना होगा। गोधरा के बाद गुजरात चुनाव मेरे जीवन की सबसे बड़ी चुनौती थी। मैंने कह रखा था कि 12 बजे से पहले नतीजों के बारे में न बताएं, लेकिन ढोल नगाड़ों की आवाज पूरी कहानी बता रही थी। क्या समय के साथ जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है? पीएम ने इस सवाल पर कहा, मैं कभी भी कम्फर्ट जोन में नहीं रहा और मेरी जोखिम लेने की क्षमता का अभी तक पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हुआ है। मैं अपने बारे में चिंता नहीं करता। जो अपने बारे में नहीं सोचता, उसके पास जोखिम लेने की अनगिनत क्षमताएं होती हैं, मेरा मामला भी ऐसा ही है। जोखिम लेने की मानसिकता एक प्रेरक शक्ति है। पीएम ने विचारधारा से अधिक आदर्शवाद की अहमियत पर जोर दिया। कहा, गांधी व सावरकर के रास्ते अलग-अलग थे, पर लक्ष्य स्वतंत्रता थी। पीएम ने अपनी विचारधारा पर कहा, मैंने सदैव राष्ट्र को सर्वोपरि रखा है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, जो सुविधा के अनुसार अपना रुख बदल ले। मैं सिर्फ एक ही विचारधारा के साथ बड़ा हुआ हूं, राष्ट्र प्रथम। इस टैगलाइन में फिट होने वाली कोई भी चीज मुझे विचारधारा व परंपरा की बेड़ियों में नहीं बांधती।

## इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग और एग्री-टेक 2025

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नोएडा।** नोएडा भारत के खाद्य और पेय उद्योग के सबसे बड़े प्रदर्शनों में से एक, इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग और इंडसफूड एग्री-टेक 2025, आज इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में

उद्घाटित हुआ, जिसने भारत को वैश्विक खाद्य क्षेत्र के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया है। यह आयोजन ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया और इंडिया एक्सपो सेंटर लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है, जो एक मजबूत साझेदारी को दर्शाता है और इससे खाद्य उद्यमी विशेषज्ञता, नवाचार और वैश्विक पहुंच का लाभ उठा रहे हैं डॉ. राकेश कुमार ने इस कार्यक्रम को वैश्विक उत्कृष्टता और सहयोग का प्रतीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके रणनीतिक दृष्टिकोण और नेतृत्व ने ग्रेटर नोएडा से बाहर निकलकर विस्तार करने में सक्षम बनाया है, और छण्ण्-यशोभूमि जैसे प्रमुख स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जो की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे नए दर्शकों तक पहुंचने और भारत भर में अपने प्रभाव को बढ़ाने में मदद मिल रही है।अपने संबोधन में डॉ. राकेश कुमार ने के द्वारा किए गए व्यापक प्रयासों को रेखांकित किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जिला उद्योग केंद्रों के साथ सहयोग और देशभर में किए गए रोड शो शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस शो के लिए ज़मीनी स्तर पर प्रयास के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदारों को जोड़ने के प्रयास किए गए, और साथ ही अफ्रीका, अमेरिका, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे क्षेत्रों से मेज़बान दर्शकों का स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि हम इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग और एग्री-टेक को नवाचार, साझेदारी और तकनीकी विकास के लिए एक वैश्विक हब बनाना चाहते हैं। माननीय वाणिज्य और उद्योग और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, श्री जितिन प्रसाद, ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए इसे खाद्य प्रसंस्करण मूल्य श्रृंखला में भारत की क्षमता का एक अद्वितीय मंच बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार के प्रयासों ने आधुनिक बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक तकनीक और प्रगतिशील कृषि प्रथाओं के संयोजन से एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। उन्होंने कहा, ठभारतीय खाद्य उद्योग कृषि और उद्योग के बीच एक पुल है, जो स्थिरता और नवाचार के लिए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।इस साल के संस्करण में 300 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया है और यह 27,000 वर्ग मीटर के प्रदर्शनी क्षेत्र में फैला हुआ है। श्रीलंका, बांग्लादेश, मिस्र और अमेरिका जैसे देशों से डेलिगेशन और 500द्ध अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी, सतत पैकेजिंग और नई सामग्री को प्रदर्शित करता है। यह आयोजन भारत को खाद्य और पेय उद्योग में एक वैश्विक नेता के रूप में प्रस्तुत करता है। श्री मोहित सिंघला ने वाणिज्य मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और पशुपालन विभाग से मिल रहे मजबूत समर्थन की सराहना की, जिसने इस कार्यक्रम को अंतर्राष्ट्रीय मानकों तक पहुंचाया। के एडीजी, श्री विजय कुमार गौबा, ने प्रदर्शकों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया, और उद्योग के विकास में सहयोग की महत्ता पर बल दिया। बीच साझेदारी लगातार फल-फूल रही है, जो भारत को ईँ क्षेत्र में नवाचार और व्यापारिक अवसरों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर रही है। डॉ. राकेश कुमार के नेतृत्व में ने भारत के प्रदर्शनी उद्योग में उत्कृष्टता और विकास के लिए नए मानक स्थापित किए हैं।

## भारत के सभी सिनेमाघर में 17 जनवरी को रिलीज फिल्म 'मिशन ग्रे हाउस

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नोएडा।**नोएडा सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'मिशन ग्रे हाउस', ट्रेलर और म्यूजिक रिलीज होने के बाद से ही काफी चर्चा में है। फिल्म के ट्रेलर और म्यूजिक को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर काफी पॉपुलरिटी मिल रही है। फिल्म में लीड रोल निभाने वाले ऐक्टर अबीर खान, बॉलीवुड में अपनी ऐक्टिंग का लोहा मनवाने वाले राजेश शर्मा और फिल्म के निर्देशक

नौशाद सिद्दीकी फिल्म के प्रमोशन के लिए राजधानी दिल्ली पहुंचे और विभिन्न न्यूज चैनल्स पर अपनी फिल्म का प्रमोशन किया और मीडिया से बात की। फिल्म में एक बड़े पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता राजेश शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा ठअबीर खान की यह डेब्यू फिल्म है लेकिन उन्होंने अपने किरदार को असरदार बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है जो फिल्म देखने पर नजर आएगा। फिल्म में मैं एक आई जी की भूमिका में हूँ जिसका अबीर खान के किरदार के साथ अच्छा बॉन्ड है। यह एक सस्पेंस थ्रिलर है जो रियल लोकैशन पर शूट हुई है और आपको एंटरटेनमेंट के साथ भरपूर दिमागी कसरत कराएगी। पहले भी मैं इस प्रकार की भूमिकाएं निभाता रहा हूँ और मिशन ग्रे हाउस में भी नौशाद सिद्दीकी के निर्देशन में अबीर खान के साथ काम कर के काफी मज़ा आया। निर्देशक नौशाद सिद्दीकी ने कहा कि ठफिल्म में एकदम अलग तरह ही स्टोरी दिखाई गई है, हम दर्शकों तक इस फिल्म के ज़रिए एक यंग टैलेंट अबीर खान को इंट्रोड्यूस कर रहे हैं फिल्म में चौंकाने वाले सस्पेन्स सीन्स, जबरदस्त थ्रिल, जोरदार एक्शन और भरपूर ड्रामा है। अबीर के साथ ही हमने राजेश शर्मा जैसे बॉलीवुड के स्थापित कलाकारों को एकसाथ लाने का प्रयास किया है और इस रोमांचक कहानी को पर्दे पर बहुत ही दिलचस्प तरीके से फिल्माया हैं । मैं कह सकता हूँ की बॉलीवुड को अबीर खान के रूप में एक फ्रेश टैलेंट मिलने जा रहा है और एक रोचक कहानी देखने को मिलेगी जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के लिए तैयार है।फिल्म का पोस्टर, टीज़र और ट्रेलर पहले ही आउट कर दिया गया है। इसके साथ ही फिल्म का म्यूजिक पिछले दिनों मशहूर सिंगर शान के द्वारा रिलीज कर दिया गया था। फिल्म की शूटिंग लोनावाला और पुणे के खूबसूरत लोकेशन पर हुई है। यह फिल्म रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा इसी महीने 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

## सर्जरी के बाद संक्रमण का खतरा, हर साल 15 लाख मरीज चपेट में; घावों में घुस जाते हैं सुपरबग

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** आईसीएमआर के अनुसार, सर्जिकल साइट संक्रमण एक तरह का स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ा संक्रमण है। यह तब होता है, जब सर्जरी के दौरान लगाए गए चीरे में बैक्टीरिया घुस जाते हैं और संक्रमण पैदा करते हैं। सर्जरी के बाद

होने वाले संक्रमणों में यह सबसे आम है।सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमण यानी सर्जिकल साइट संक्रमण (एसएसआई) के चलते देश में हर साल तकरीबन 15 लाख मरीजों के घाव खतरनाक सुपरबग की चपेट में आ रहे हैं। सभी तरह के ऑपरेशन के बाद मरीजों में सर्जिकल साइट संक्रमण की दर 5.2 फीसदी है। देश में हर साल छोटी-बड़ी सर्जरी को मिलाकर करीब तीन करोड़ से अधिक मरीजों के ऑपरेशन होते हैं। इस हिसाब से हर साल 15 लाख से ज्यादा मरीज इसकी चपेट में आ रहे हैं। वहीं, सर्वाधिक 54.2 फीसदी संक्रमण हड्डियों के ऑपरेशन या विच्छेदन के बाद होता है। यह चिंताजनक स्थिति सामने आई है नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की रिपोर्ट में।आईसीएमआर के अनुसार, सर्जिकल साइट संक्रमण एक तरह का स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ा संक्रमण है। यह तब होता है, जब सर्जरी के दौरान लगाए गए चीरे में बैक्टीरिया घुस जाते हैं और संक्रमण पैदा करते हैं। सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमणों में यह सबसे आम है। आईसीएमआर ने दिल्ली एम्स, मणिपाल में कस्तूरबा अस्पताल व मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में तीन हजार से अधिक ऑपरेशनों पर किए गए अध्ययन में बताया कि आमतौर पर 120 मिनट यानी दो घंटे से अधिक समय तक चलने वाले ऑपरेशन के बाद मरीजों में सर्जिकल साइट संक्रमण का जोखिम बढ़ता है। खतरनाक बात यह है कि इस संक्रमण से प्रभावित मरीजों में घातक बैक्टीरिया भी मिले हैं। इन मरीजों के घावों में 229 तरह के बैक्टीरिया पाए गए, जो सुपरबग के नाम से चर्चित हैं। आईसीएमआर के अनुसार, देश में अभी तक सर्जिकल साइट संक्रमण पर सटीक आंकड़े नहीं थे। भारत में इसकी निगरानी के लिए अभी कोई प्रणाली नहीं है, इसलिए एसएसआई निगरानी नेटवर्क भी तैयार किया गया है।अध्ययन में शामिल दिल्ली एम्स की प्रो. पूर्वा माथुर ने मरीजों में मिले 229 तरह के बैक्टीरिया में सर्वाधिक 52ज्ञ् क्लेबसिएला निमोनिया, स्यूडोमोनास एरुजिनोसा व एस्चेरिचिया कोलाई हैं, जिन्हें मरीजों के लिए जानलेवा माना जाता है। इनमें 21 फीसदी सबसे आम आइसोलेट क्लेबसिएला निमोनिया मिला, जो मरीज के लिए तब खतरनाक हो सकता है, जब वह शरीर के अन्य भागों में प्रवेश करता है।अध्ययन में शामिल चिकित्सकों के अनुसार, सर्जिकल साइट संक्रमण के अधिकांश मामलों की रोकथाम आसानी से की जा सकती है। इसके लिए डॉक्टरों को खास सतर्कता बरतने की जरूरत है, क्योंकि रिकवरी की निगरानी के दौरान वे इसका पता लगा सकते हैं। भारत में अधिकांश मरीज ऑपरेशन के बाद घर पहुंचने पर इलाज से जुड़ी चीजों को भूलने लगते हैं। ऐसे में डॉक्टरों की जिम्मेदारी है कि सभी जांच रिपोर्ट से संतुष्ट होने के बाद ही उनकी छुट्टी की जाए। आईसीएमआर ने अस्पताल में मरीजों के रहने और छुट्टी मिलने के बाद एसएसआई के लिए डाटाबेस विकसित किया है। ऐसी प्रणाली स्थापित करने का भारत में यह पहला प्रयास है। रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई), मूत्र पथ संक्रमण (यूटीआई) और वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया (वीएपी) को ध्यान में रखते हुए सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमण का जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है।

## जीएल बजाज में सतत विकास और वैश्विक हरित पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नोएडा।** नोएडा स्थित जीएल बजाज कॉलेज में प्रबंधन अध्ययन विभाग के द्वारा ठसतत विकास और वैश्विक हरितठ एवं प्रबंधन में बहुविषयक अवधारणा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (घ्ण्ण्श्-2025) का सुभारम्भ किया गया। मुख्य अथिति के तौर पर पूर्व राजनायिक मंजीव सिंह पुरी और

यूएसए की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी, के प्रोफेसर संजय सिंह गौर और अटलांटिक यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रोफेसर स्टीवन कार्नोवेल फ्लोरिडा ने विशेष अथिति के रूप में भाग लेकर सम्मेलन को सम्बोधित किया। सेमिनार का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया, कॉलेज के निदेशक डॉद मानस कुमार मिश्रा ने अथितियों को पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रबंधन अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉद विकास त्रिपाठी ने कार्यक्रम की रूप रेखा को बताते हुए कहा कि सम्मेलन में लगभग 300 शोध-पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 200 शोध-पत्र सम्मेलन के लिए स्वीकार किये गए है। सम्मलेन में अगले दो दिनों तक भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम, नेपाल, मलेशिया आदि 10 देशों से विद्वान और शिक्षाविद भाग लेकर अपने अपने शोध पत्र रखेंगे और उन पर चर्चा करेंगे। पहले दिन वेंग मार्क लिम, सनवे यूनिवर्सिटी मलेशिया, प्रोफेसर सोनजया सिंह गौर न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी, प्रोफेसर राकेश गुप्ता चार्ल्स डार्विन यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया ने अलग-अलग सत्रों में सम्बंधित विषयों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन का समन्वय प्रोद कन्हैया सिंह ने किया। जीएल बजाज के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने आयोजन समिति और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए सम्मलेन की सफलता के लिए शुभकामनायें दी।

## किसान संगठन की बैठक में किसानों को सहयोग करने वालों को सम्मानित किया गया

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नोएडा।** नोएडा किसान संघर्ष मोर्चा गौतम बुध नगर के संगठन अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान परिषद, किसान एकता संघ के सैकड़ो नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष उमेश भाटी पूर्व सचिव धीरेंद्र भाटी

वर्तमान अध्यक्ष परमेंद्र भाटी एवं वर्तमान सचिव अजीत नागर का किसान आंदोलन में सहयोग करने के लिए पगड़ी बांधकर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया- सुमित एडवोकेट पवन एडवोकेट विनोद एडवोकेट गजेंद्र खारी एडवोकेट, धर्मेंद्र यादव, धर्मेंद्र भाटी जुनपत, एडवोकेट, श्याम सिंह भाटी एडवोकेट, सुशील एडवोकेट एवं अन्य सहयोग करने वाले वकीलों का फूलमालाओं से स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम का संचालन बार सचिव अजीत नागर ने किया। उपस्थित अधिवक्ताओं एवं स्वागत करने वाले किसानों को संबोधित करते हुए सोरन प्रधान ने कहा कि हम वकीलों का आभार प्रकट करते हैं वकीलों ने जेल जाने के दौरान किसानों की बेहिसाब मदद की और उनके आंदोलन को हड़ताल करके समर्थन दिया किसान हमेशा वकीलों के आभारी रहेंगे। बार के पूर्व अध्यक्ष उमेश भाटी ने कहा कि हम हमेशा किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। बार के वर्तमान अध्यक्ष परमेंद्र भाटी ने संबोधित करते हुए कहा कि किसान आंदोलन पूरे जिले का आंदोलन है वकील भी किसानों के ही बच्चे हैं वर्तमान बार किसानों के साथ हर आंदोलन में हर मुसीबत में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। भारतीय किसान परिषद के सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के आबादी, नए कानून एवं अन्य प्रकरणों पर सरकार और प्राधिकरण के साथ लगभग सहमति बन गई है 10 परसेंट के मुद्दे पर तीनों प्राधिकरण से प्रस्ताव पास होकर शासन के अनुमोदन के लिए लंबित है जिस पर लगातार संघर्ष जारी रहेगा। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा कि आंदोलन लगातार जारी रहा है लगातार जारी रहने लगातार संघर्ष करने के कारण बहुत सारे मुद्दे हल हुए हैं बाकी बचे मुद्दों को भी हल करके ही दम लेंगे। टीकम महाशय है और बबली गुर्जर ने मोदीनगर और गाजियाबाद से आकर जेल गए तन्हाई में रहे किसानों का फूल मालाएं पहनाकर पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

## अगले साल सीएसपीओसी की मेजबानी करेगा भारत, ओम बिरला ने संसद के कामकाज में एआई के इस्तेमाल की वकालत की

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** ओम बिरला ने कहा कि भारत कृषि, फिनटेक, एआई और अनुसंधान एवं नवाचार जैसे कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव देख रहा है। उन्होंने कहा कि सीएसपीओसी सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि भारत की सांस्कृतिक विरासत और प्रगति के अनूठे मिश्रण का अनुभव करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को ग्वेर्नसे में राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (सीएसपीओसी) की स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने संसद के कामकाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सोशल मीडिया के इस्तेमाल की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि भारत अगले साल 28वें सीएसपीओसी की मेजबानी करेगा। बिरला ने कहा कि भारत कृषि, फिनटेक, एआई और अनुसंधान एवं नवाचार जैसे कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव देख रहा है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि भारत की सांस्कृतिक विरासत और प्रगति के अनूठे मिश्रण का अनुभव करेंगे। पिछले साल, लोकसभा ने सांसदों के लिए संसदीय कार्यवाही की पहुंच बढ़ाने के लिए एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीकों को अपनाया था। इन तकनीकों का इस्तेमाल संसद सदस्यों के लिए क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद और विभिन्न भाषाओं में संसदीय पत्र उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है। सम्मेलन के दौरान, ओम बिरला ने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और साइबर अपराध जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए संसदों को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने सुशासन और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए संसदीय संस्थाओं को अधिक प्रभावी, समावेशी और पारदर्शी बनाने के महत्व पर भी जोर दिया। ओम बिरला ने कहा कि सीएसपीओसी मंच सदस्य देशों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने और संसदीय सहयोग को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।बिरला ने आगे कहा कि 2026 में 28वें सीएसपीओसी के मेजबान के रूप में भारत का चयन देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, समावेशिता और सद्भाव को प्रदर्शित करने का अनूठा अवसर है। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले भी 1970-71, 1986 और 2010 में सीएसपीओसी की मेजबानी की थी।

## जेल से रिहाई के बाद सीटू जिलाध्यक्ष का शहर के सम्मानित लोगो ने किया स्वागत

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नोएडा।** नोएडा मजदूर किसान आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा

करने वाले सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा की परसों देर रात्रि लुकसर जेल से रिहाई होने के पर जेल से बाहर आते ही सैकड़ो मजदूर किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर व पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर किसान सभा जिला संयोजक वीर सिंह नगर ने कहा कि किसान आंदोलन में गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में सीटू के कार्यकर्ता का योगदान बहुत ही सराहनीय है किसानों की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने आंदोलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और किसानों की बिना शर्त रिहाई की मांग को लेकर 12 दिसंबर 2024 को सीटू ने अन्य सहयोगी संगठनों के साथ डीएम कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर प्रदर्शन का ऐलान किया तो उक्त प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस के उच्च अधिकारी प्रदर्शन को स्थगित करने का दबाव उनके ऊपर बना रहे थे। प्रदर्शन स्थगित करने से मना करने से नाराज पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें झूठा मुकदमा बनाकर 19 दिसंबर 2024 को जेल भेज दिया था। लेकिन हम पुलिस उत्पीड़न के आगे नहीं झुकेंगे और अपने हक अधिकारों के लिए संघर्ष को जारी रखेंगे। सीटू जिला महासचिव रामसागर ने कहा कि पुलिस द्वारा बदनाम करने के लिए लगाए गए आरोप सब फर्जी है और जनपद के मजदूर किसान आम जनता सब समझ रही है और सब लोग मजदूर किसान नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा के साथ मजबूती के साथ खड़े हैं। कल और आज लगातार जगह-जगह उनका शहर के सम्मानित लोगों ने स्वागत किया गया और जेल से रिहा होने की बधाई दी। आज दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिंह ने गंगेश्वर दत्त शर्मा को सम्मानित करने के बाद कहा मजदूरों गरीबों के हक अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले को पुलिस दमन के आधार पर झुकना चाहती है जो किसी प्रकार से उचित नहीं है और पुलिस की झूठी कहानी पर किसी को तनिक भी विश्वास नहीं है। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि हम पुलिस उत्पीड़न और झूठे मुकदमे बनाए जाने और जेल भेजे जाने से ना डरे हैं और ना आगे डरेंगे और मेहनतकशों के हक अधिकारों की लड़ाई को आगे भी जारी रखेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।